दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 105
मुरादाबाद
04 August 2025
(Monday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पुलिस विभाग में चयनित कर्मियों को सौंपा नियुक्ति पत्र.

.., सीएम योगी बोले- फिर होने जा रही 30 हजार भर्ती

यूपी पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित सहायक परिचालकों और कर्मशाला कर्मचारियों को सीएम योगी आदित्यनाथ ने नियुक्ति पत्र सौंपा। कार्यक्रम में सीएम के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना मौजूद रहे। राजधानी लखनऊ में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस दूरसंचार विभाग के लिए चयनित 1494 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के सभागार में हो रहा है। कार्यक्रम में सीएम के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना समेत अन्य लोग मौजूद रहे। इससे पहले डीजीपी राजीव कृष्णा ने सीएम को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया।बताते चलें कि 60244 सिपाहियों की भर्ती के बाद उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा पुलिस के आधुनिकीकरण के प्रक्रिया के तहत दूरसंचार विंग में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा कराया था।

इसके आधार पर ही सहायक परिचालकों और कर्मशाला कर्मचारियों का चयन किया गया है। जिन लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा, उनमें 1314 सहायक परिचालक और 120 कर्मशाला कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस को बेहतर आवासीय सुविधा दी जा रही है- सीएम योगी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अभी और 30 हजार भर्ती के लिए प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके काम चल रहा है। हमने प्रदेश में पुलिस की ट्रेनिंग क्षमता बढ़ाई है। पहले मिलिट्री और अर्ध सैनिक बलों के ट्रेनिंग सेंटर लेने पड़ते थे। आज 60244 पुलिस के सिपाही अपने ही सेंटर पर ट्रेनिंग कर रहे हैं।किसी के ट्रेनिंग सेंटर को हायर नहीं किया गया। पुलिस को बेहतर आवासीय सुविधा दी जा रही है। कई जिलो में पुलिस लाइन नहीं थी। हम लोगों ने पुलिस लाइन बनाई। 1970-71 से यूपी में पुलिस कमिश्नरी बनाने की मांग की जा रही थी। इस पर भी हमने निर्णय लिया। आज सात जिलों में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था चल रही है। पुलिस को आम नागरिक के प्रति संवेदनशील होना पड़ेगा सीएम ने आगे कहा आज यूपी पुलिस देशभर में उदाहरण बनी हुई है। हर भारतवासी आज स्वीकार करता है कि यूपी में कानून व्यवस्था सही हुई है। महाकुंभ जैसे आयोजन में यूपी पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और उसके व्यवहार से इतना भव्य आयोजन सफल हुआ। आज हम उस दौर में आ चुके हैं, जब देश स्वतंत्र है। पुलिस को आम नागरिक के प्रति संवेदनशील होना पड़ेगा। प्रदेश की आधी आबादी को किनारे करके हम विकास नहीं कर सकते, इसीलिए यूपी पुलिस में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने का सपना देखा था। आज वह भी सफल हुआ है। नवचयनित कर्मियों को सीएम ने दी ये नसीहत- सीएम ने आगे कहा कि यूपी पुलिस में 20 फीसदी अग्निवीरों को भर्ती करेंगे। हमें ट्रेंड नौजवान मिलेंगे। जिस ट्रेड में वह जाना चाहेंगे, उसी ट्रेड में उन्हें भर्ती किया जाएगा। जिन लोगों को आज नियुक्ति पत्र मिला है उनको नसीहत देते हुए सीएम ने कहा कि आपका फार्म लेने से लेकर आज नियुक्ति पत्र मिलने तक सरकार ने आपको पारदर्शी तरीके से भर्ती किया गया है। आपको एक पैसा भी नहीं देना पड़ा है। सरकार को भी आपसे यही उम्मीद है कि आप अपने काम में पूरी ईमानदारी बरतें।

संक्षिप्त समाचार

चिदंबरम बोले- चुनाव आयोग कर रहा अधिकारों का दुरुपयोग, इसका राजनीतिक और कानूनी विरोध जरूरी

कांग्रेस पार्टी की तरफ से चुनाव आयोग पर कई आरोप लगाए जाने के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम की तरफ से भी निशाना साधा गया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव आयोग अधिकारों का दुरुपयोग कर रहा है, इसलिए इसका राजनीतिक और कानूनी विरोध जरूरी है।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने बिहार में मतदाता सूची की विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग (ईसीआई) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग राज्यों की चुनावी संरचना और मतदाता स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रहा है, जो अधिकारों का दुरुपयोग है और इसका विरोध राजनीतिक व कानूनी तरीके से किया जाना चाहिए।बिहार और तमिलनाडु को लेकर जताई चिंता पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि बिहार में 65 लाख मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं, जबकि तमिलनाडु में 6.5 लाख नए मतदाताओं को जोड़ने की खबरें चिंताजनक और गैरकानूनी हैं।प्रवासी मजदूरों का अपमान- चिदंबरम उन्होंने कहा, %इन लोगों को स्थायी रूप से पलायन कर चुके बताना प्रवासी मजदूरों का अपमान है और यह तमिलनाडु की जनता के अपने चुने हुए प्रतिनिधि चुनने के अधिकार में सीधी दखलअंदाजी है।

कामचटका के बाद कुरील द्वीप पर आया शक्तिशाली भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 7.0 तीव्रता;सुनामी की चेतावनी

रूस के कुरील द्वीप पर आया 7.0 तीव्रता का भूकंप कामचटका के तीन क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी जारी 450 साल बाद क्राशेनिन्निकोव ज्वालामुखी फटा हवाई यातायात के लिए %ऑरेंज अलर्ट% जारीरूस के कामचटका में 8.8 तीव्रता के आए भूकंप के बाद अब कुरील द्वीप समूह पर 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इस भूकंप के बाद रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र कामचटका के तीन हिस्सों में सुनामी की आशंका जताई गई है। रूस के आपात सेवा मंत्रालय ने इसे लेकर रविवार को चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने टेलीग्राम पर जारी संदेश में कहा, उम्मीद है कि लहरों की ऊंचाई कम रहेगी, लेकिन इसके बावजूद आपको तट से दूर जाना चाहिए। अधिकारियों ने लोगों से समुद्री किनारों और निचले क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की अपील की है।अमेरिकी और प्रशांत एजेंसियों की रिपोर्ट प्रशांत सुनामी चेतावनी प्रणाली और अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने भी भूकंप की पुष्टि की, लेकिन उन्होंने कहा कि इस भूकंप से कोई बड़ा सुनामी खतरा नहीं है। 450 साल बाद फटा ज्वालामुखी- बता दें कि इस भूकंप से कुछ ही घंटे बाद कामचटका क्षेत्र में में क्राशेनिनिकोव ज्वालामुखी फट पड़ा। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी और वैज्ञानिकों ने इसकी पुष्टि की है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह ज्वालामुखी करीब 450 साल बाद पहली बार फटा है। यह ज्वालामुखी पिछली बार वर्ष 1550 में फटा था। पहले ही जारी की गई थी चेतावनी रूस के वैज्ञानिकों ने पिछले सप्ताह ही चेतावनी दी थी कि क्षेत्र में तेज भूकंप के झटकों के बाद आफ्टरशॉक्स और भूगर्भीय हलचलें आने के आसार हैं। इससे पहले, इसी क्षेत्र में क्लूचेवस्कॉय ज्वालामुखी भी फट चुका है, जो कि कामचटका का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी है।राख का गुबार और हवाई अलर्ट ज्वालामुखी फटने के बाद 6,000 मीटर (करीब 3.7 मील) तक राख का बड़ा गुबार आकाश में फैल गया है। रूस के आपात मंत्रालय ने कहा कि राख का यह गुबार प्रशांत महासागर की दिशा में जा रहा है और इसके रास्ते में कोई आबादी वाला क्षेत्र नहीं है। विमानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, ऑरेंज कोड अलर्ट जारी किया गया है, जो हवाई यातायात के लिए खतरे की गंभीर स्थिति को दर्शाता है। पिछले कुछ दिनों से कामचटका क्षेत्र में भूगर्भीय गतिविधियां तेज हो रही हैं। पहले 8.8 तीव्रता का भूकंप, फिर 450 साल बाद ज्वालामुखी विस्फोट और अब सुनामी की आशंका, यह सभी घटनाएं आपस में जुड़ी हो सकती हैं। वैज्ञानिक स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और आम जनता को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

यूपी में बड़ा हादसा: नहर में गिरी श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो, 11 की मौत... मृतकों में नौ लोग एक ही परिवार के

गोंडा में श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। जबकि, चार की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों में नौ लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं।उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में भीषण हादसा हो गया। यहां एक बोलेरो अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, एक लापता है। जबकि, तीन लोगों को बचा लिया गया है। मरने वालों में नौ लोग एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं।हादसा इटियाथोक के बेलवा बहुता नहर पुल पर हुआ। बोलेरो सवार सभी लोग पृथ्वीनाथ मंदिर जलाभिषेक के लिए जा रहे थे। ये लोग मोतीगंज थाना क्षेत्र के सीहागांव के रहने वाले थे। गाड़ी में 15 लोग सवार थे। पानी में डूबने से 11 की मौत हो गई। जबकि, एक लापता है।सीएम योगी ने लिया घटना का संज्ञान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना का संज्ञान लेकर शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। घायलों के समुचित उपचार के भी निर्देश दिए हैं। सीएम ने मृतकों के परिजनों को पांच लाख की आर्थिक सहायता दिए जाने के निर्देश दिए हैं। बारिश बनी काल- बताया जा रहा है कि हादसे के समय हल्की बारिश हो रही थी। नहर के किनारे की सड़क फिसलन भरी थी और बेहद संकरी भी। बोलेरो को साइड से गुजारने की कोशिश के दौरान अचानक वाहन फिसलकर नहर में पलट गया। वाहन पानी में पूरी तरह डूब गया। इससे सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। चश्मदीदों ने बताया भयावह मंजर स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह करीब 6.00 बजे एक जोर की आवाज सुनाई दी। कुछ ही देर में लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि बोलेरो नहर में समा चुकी थी। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और खुद भी बचाव कार्य में जुट गए। बाद में प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम ने मोर्चा संभाला।मौके पर पहुंचे डीएम और एसपी हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एनडीआरएफ की टीम, पुलिस बल और स्थानीय गोताखोरों ने शवों की तलाश शुरू की। अब तक 11 शव बरामद किए जा चुके हैं। एक व्यक्ति की तलाश अब भी जारी है, जबकि तीन लोग किसी तरह बाहर निकलकर बच गए। मृतकों की पहचान के प्रयास जारी- घटना में मृत श्रद्धालुओं की शिनाख्त की प्रक्रिया चल रही है। प्रशासन ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। गांव में पसरा मातम- सीहागांव में जैसे ही यह खबर पहुंची, वहां कोहराम मच गया। एक ही गांव के 11 लोगों की मौत से हर आंख नम है। परिवारों में चीख-पुकार मची है। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। मृतकों के घरों में रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों की भीड़ अस्पताल और घटनास्थल दोनों जगह उमड़ रही है। डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। राहत व बचाव कार्य जारी है। मृतकों के परिवार को हर संभव सहायता दी जाएगी। लापता व्यक्ति की खोज के लिए एनडीआरएफ और स्थानीय टीम लगातार प्रयास कर रही है। एसपी विनीत जायसवाल ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। हादसे की जांच कराई जा रही है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है हादसे के कारणों की सही जानकारी मिल सके।

पीएम मोदी की स्वदेशी अपील को व्यापारियों से मिला जोरदार समर्थन, मैदान में उतरे 48000 व्यापारी संगठन

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया की सभी व्यापारी नेताओं ने एक स्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को भारत की अस्मिता का प्रतीक बताते हुए इस अभियान का नाम भारतीय सामान - हमारा स्वाभिमान रखने का निर्णय लिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से भारतीय सामान खरीदो और बेचो की अपील को बड़ा समर्थन देते हुए कन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रविवार को घोषणा की है कि बाबत 10 अगस्त से एक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देना है। यह निर्णय आज नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन में लिया गया, जिसमें देश के 26 राज्यों से आए 150 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेताओं ने भाग लिया।कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया की सभी व्यापारी नेताओं ने एक स्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को भारत की अस्मिता का प्रतीक बताते हुए इस अभियान का नाम भारतीय सामान - हमारा स्वाभिमान रखने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की यह अपील आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करती है। विदेशी कंपनियों की एकाधिकारवादी नीतियों से बचकर यदि हम अपने देश के उत्पादों को बढ़ावा दें, तो न केवल हमारा व्यापार मजबूत होगा बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था और रोजगार भी सशक्त होंगे।卐कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने अभियान के बारे में बताते हुए कहा की देश भर में फैले 48,000 से अधिक व्यापारी संघटनों की भागीदारी के साथ यह अभियान पूरे देश में चलाया जाएगा।हर राज्य व ज़िले में व्यापारी, उपभोक्ता व नागरिक समाज के साथ सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। सोशल मीडिया, पोस्टर, रैलियों व जन संवाद के माध्यम से लोगों को भारतीय उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, व्यापार मंडल, एनजीओ और समाज के हर वर्ग को जोड़ा जाएगा। खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री की अपील का समर्थन करने के कारणों के बारे में कहा कि विदेशी कंपनियों की अनुचित व्यापार नीतियों से छोटे व्यापारी प्रभावित हो रहे हैं जिससे भारत के स्थानीय व्यापार को बड़ा नुकसान हो रहा है । उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता आज विश्वस्तरीय है, और कीमत भी उचित है। भारतीय उत्पादों की खरीद से स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और व्यापारियों को समर्थन मिलेगा।विदेशी वस्तुओं की अंधाधुंध खपत से भारत का व्यापार घाटा बढ़ता है, जिसको रोकना जरूरी है। इससे भारतीय संस्कृति, कुटीर उद्योग और हस्तशिल्प के संरक्षण में भी योगदान मिलेगा।कैट ने सभी व्यापारियों से आह्वान किया है कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर केवल भारतीय सामान उपलब्ध है जैसे पोस्टर लगाएं और ग्राहकों को स्वदेशी वस्तुएं अपनाने के लिए प्रेरित करें। यह अभियान भारत के आर्थिक स्वाभिमान की नींव को और मज़बूत करेगा और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

संपादकीय Editorial

Cabinet lottery

The monsoon cabinet session is over, now the date and content of the assembly session is being prepared. Obviously, the role of the government and the definition of politics should be consistent during a disaster, but the mood of cloud burst and the principle of breaking the banks of ravines has changed. Himachal is seeing a lot from this monsoon - somewhere water is over the bridges, somewhere the streets of the city are becoming ravines. In such a situation, neither the flags of relief nor the feet will be counted, yet all the speeches of the cabinet meeting are assuring that the windows of the broken houses will be able to see the foundation of their relief again and the roof of the government's willpower will come closer. The government is calculating to give seven lakhs to the broken house and one lakh to the damaged one. Four days of the cabinet, dreams were written on the advertisements of many houses, unemployed and employees. The message of compassionate employment eligibility up to three lakh annual income will bring sea in the desolate sea of many families, and in the lap of increasing seats in nursing courses, parents will be able to turn their children's dreams into reality. Obviously, many decisions were taken as per the need, many were taken to raise hope and many were taken to show feats, but many headlines have also come out to pat the cheek of the state. The open doors of disaster, patrolling of the opposition, queues of unemployed, plea for development and the expressions of the state's ambition were heard continuously in front of the cabinet, and there was also a sound of shining the badge of politics in the management of Himachal's resources. Therefore, now in Himachal, hundred crores will be raised in the game of lottery, that is, after the liquor business, the addiction of lottery will increase the status of the state's treasury. If the spring of lottery worked in the neighborhood, then why should autumn be kept in our courtyard. Baskets of recruitments were filled in four days, and employment is being invited through tourism investment. The formation of Investment Promotion Council in the tourism sector is creating a new roar. It remains to be seen how many steps it takes to change the scenario. The enthusiasm to build satellite towns in Solan-Sirmaur increases the possibility of meeting residential needs, but the magic of real estate has spread from the map of the entire state to the speed at which it has grown around Chandigarh, Himachal will have to be studied in the entirety of urbanization. If the well-settled BBN steals a city from the urbanization here every night and moves towards Chandigarh, then it will also have to be understood where the settlement and destination will have to be built. The possibility of a big city in Una on the lines of Mohali and Panchkula in Himachal should also be examined. Politically, the initiative of OBC reservation in urban body elections is ensuring the place of Congress's national intentions. The only surprise is that there is a difference between the cabinet meeting and the hustle and bustle outside. Himachal's Education Minister Rohit Thakur demands a Regional Institute of Education in the state from the Union Education Minister, but does not believe in the bricks and stones of the Dharamshala campus of the Central University. The cabinet shows generosity in providing water worth Rs 19 crore to the Dehra campus of the Central University, but remains silent on the payment of Rs 30 crore for the existence of the Jadrangal campus. After the Dhumal and Jairam governments, the Sukhu government has also been included in the list of indifference towards the Jadrangal campus, this should now be accepted. Even though the Tourism Corporation office.

RSS, Muslims and National Integration: A Journey of Dialogue and Trust

Some people think that RSS works only for Hindus, but this is not true. RSS believes in “Bharatiyata”, which means Indian culture. According to RSS, Indian culture includes people of all religions—Hindus, Muslims, Sikhs, Christians, Jains, Buddhists, and others.Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) is one of the oldest and largest socio-cultural organizations in India. The Sangh was founded in 1925 with the goal of building a strong and united India. From the beginning, RSS has believed that India is one country and all people living here—whatever religion they follow—are part of one family.RSS teaches its members to love the country, help others and work for unity. It has lakhs of volunteers (called swayamsevaks) who wake up early every morning, attend daily training sessions (shakhas) and serve the society. These volunteers are taught discipline, physical fitness, patriotism and social responsibility. Some people think that RSS works only for Hindus, but this is not true. RSS believes in "Bharatiyata", which means Indian culture. According to RSS, Indian culture includes people of all religions- Hindus, Muslims, Sikhs, Christians, Jains, Buddhists, and others. Everyone who loves India is a part of this culture. Over the years, many people have misunderstood RSS due to misinformation or political reasons. RSS has initiated several new efforts to directly communicate with people from different communities, especially the Muslim community. These efforts are based on dialogue, understanding, and mutual respect. An important step was taken in September 2019, when RSS chief Dr. Mohan Bhagwat met Maulana Arshad Madani, a respected Muslim scholar. They talked about how both communities - Hindus and Muslims - should work together to keep India united and peaceful. They agreed that both communities have contributed to the country, and now they should come together to protect its future. The meeting was historic as it showed that the RSS is ready to talk openly, clear misunderstandings and build trust. Both leaders agreed that violence, hate speech and communal strife are harmful to all communities. In September 2022, Sangh chief Dr Mohan Bhagwat did something very special. For the first time in the history of the RSS, he visited a mosque and a madrasa in Delhi. The visit was at the invitation of Imam Umar Ahmed Ilyasi, head of the All India Imams Organisation. Bhagwat sat with the madrasa students, interacted with the imams and gave a message of peace and unity. During this, Bhagwat said that all Indians, be it Hindus or Muslims, are brothers. He said that the nation is supreme and every religion teaches peace and respect for others. He also said that real Indian culture teaches us to live together and not fight among ourselves. After this mosque visit, Mohan Bhagwat held a meeting with five well-known Muslim intellectuals: S.Y. Qureshi (former Chief Election Commissioner), Najeeb Jung (former Lieutenant Governor of Delhi), Zameer Uddin Shah (former Vice Chancellor of Aligarh Muslim University), journalists Shahid Siddiqui and Saeed Sherwani also held a special meeting. These leaders had a respectful and meaningful conversation with Bhagwat. They discussed the evils prevailing in the society, hate speech, fear among minorities and fake news on social media. Bhagwat listened to them patiently and said that all these problems should be solved with truth, respect and dialogue. In January 2023, another important meeting was held at the house of former Lieutenant Governor of Delhi Najeeb Jung. Senior RSS ideologues like Dr Krishnaji Gopal, Shri Ji and Dr Indresh Kumar Ji attended this meeting. They sat with Muslim scholars and leaders and discussed how to stop hatred, create better understanding and build trust between communities. The RSS leaders clarified that the Sangh is not against any religion. They said that the real goal of the RSS is to unite all Indians, not divide them. He said that people should be judged by their character, not by their religion. In July 2025, the RSS took another big step. More than 60 Muslim religious leaders, clerics and scholars were invited to a meeting at Haryana Bhawan in Delhi. This meeting was also organized by the All India Imams Organization. Mohanji Bhagwat and other senior members of the RSS attended it. In this meeting, Sangh chief Bhagwat gave a clear and positive message. He said: "We need goodwill in society. No temple or mosque can protect India alone. Only unity and brotherhood among communities can do this." Sangh chief Dr. Mohanji Bhagwat presented some very practical ideas. He said that Pujaris (priests of temples) and Imams (heads of mosques) should visit each other. He said that students of Gurukuls and Madrasas should sit together and learn from each other. These steps will help remove fear and create real understanding between the two communities. The RSS also suggested that the two communities should organize joint cultural programmes, health camps, cleanliness drives, etc. When people work together, they consider each other friends, not enemies. One thing was very clear in all these meetings: the RSS wants unity, not division. It believes that if Indians keep fighting among themselves, foreign forces and anti-national elements will take advantage of it. Only a strong, united India can become a developed and peaceful nation. Bhagwat has also spoken out against violence and hatred many times. He said that "those who kill people in the name of religion are not following Hinduism." He believes that the true religion is love, forgiveness, service and truth. The RSS is also working to ensure that people of all religions feel safe and respected. Its volunteers are trained to help people during natural disasters, organise relief work, teach poor children and serve the elderly—without asking anyone about their religion. Some people still try to paint the RSS in a negative light, but the truth is becoming more clear now. Many Muslim leaders, who once kept away from the RSS, are now openly joining these dialogue sessions and appreciating the mature and sober approach of the Sangh. The RSS does not believe in short-term popularity. It believes in long-term nation building. Its goal is "nation building" - building a strong India where people of all religions live with respect, follow the law and work for the progress of the country. The phrase "Hindu Rashtra" is often misunderstood. RSS chief Mohan Bhagwat has clearly stated that it does not mean a country of only Hindus. It means a country based on Indian culture where everyone is treated equally. You can be a Muslim, Christian, Sikh or anything, and still be a part of this cultural nation. Today, more and more people are seeing this change. They are seeing that the RSS is not against anyone, but only against those who try to divide India. The RSS wants Muslims to also become self-confident, educated and proud Indians - just like any other citizen. Bhagwat's leadership reflects intelligence and responsibility. He listens carefully, speaks clearly and believes that problems are solved not by politics, but by truth. It takes time to overcome the pain of the past and the fear of the present. But with constant dialogue, open hearts and national spirit, the Sangh is proving that peace and unity are possible. The RSS is writing a new chapter in India's history today—a new chapter of trust, understanding and solidarity. Its work shows that India's future will be safe and strong only when every community feels respect, nationalism and participation. The RSS is a symbol of unity—the RSS is a symbol of service. The RSS is a symbol of a strong and united India. And for this, it will continue to walk the path of dialogue, respect and nation-first thinking.

Road accidents due to driving above the speed limit, safety norms being ignored on highways

There is no doubt that if a driver wants to stop the vehicle on the highway, then he should signal the vehicles coming behind. The apex court is right in saying that if someone suddenly applies brakes even in an emergency, then it is irresponsible. Road accidents due to driving above the speed limit, safety norms being ignored on highways There is no doubt that if a driver wants to stop the vehicle on the highway, then he should signal the vehicles coming behind. The apex court is right in saying that if someone suddenly applies brakes even in an emergency, then it is irresponsible. Road accidents due to driving above the speed limit, safety norms being ignored on highways There is no doubt that if a driver wants to stop the vehicle on the highway, then he should signal the vehicles coming behind. The apex court is right in saying that if someone suddenly applies brakes even in an emergency, then it is irresponsible. Road accidents due to driving above the speed limit, safety norms being ignored on highways There is no doubt that if a driver wants to stop the vehicle on the highway, then he should give signal to the vehicles coming behind. The apex court is right in saying that if someone suddenly applies brakes even in an emergency, then it is irresponsible. Road Accidents: Speeding and Ignoring Safety Standards Road accidents have become a serious problem. Every year thousands of people lose their lives on the roads, and a major reason for this is speeding and ignoring safety rules on highways. Speeding vehicles not only put the driver's life at risk, but also prove fatal for other passengers and pedestrians. Despite the rules, many people do not follow the speed limit. Especially on highways where the roads are wide, drivers recklessly drive at high speed. Apart from this, safety measures are also ignored. Problems like lack of road signs, broken roads, overloading, poor street lights and poor maintenance are increasing the number of accidents. Many times, lack of traffic police and not following the rules properly also become the reason for this. The solution to this problem is not only the responsibility of the government, but every citizen should follow the rules of road safety. Wearing a helmet, wearing a seat belt, following the speed limit, not driving under the influence of alcohol – all these small things can avoid big accidents. The government should make strict laws, increase CCTV surveillance and strictly enforce traffic rules. Also, it is important to run campaigns to make the general public aware. Ultimately, it must be understood that roads are for travelling, not for ending life. Driving at high speeds can be exciting, but it can turn a small mistake into a regret forever.Road Accidents: Speeding and Ignoring Safety Standards Road accidents have become a serious problem. Every year thousands of people lose their lives on the roads, and a major reason for this is speeding and ignoring safety rules on highways. Speeding vehicles not only put the driver's life at risk, but also prove fatal for other passengers and pedestrians. Despite the rules, many people do not follow the speed limit. Especially on highways where the roads are wide, drivers recklessly drive at high speed. Apart from this, safety measures are also ignored. Problems like lack of road signs, broken roads, overloading, poor street lights and poor maintenance are increasing the number of accidents. Many times, lack of traffic police and not following the rules properly also become the reason for this. The solution to this problem is not only the responsibility of the government, but every citizen should follow the rules of road safety.

रुपयों के विवाद में मलेरिया विभाग के कर्मचारी को बीच रास्ते पर पीटा

मुरादाबाद- रुपयों के विवाद के चलते मलेरिया अधिकारी कार्यालय में तैना कर्मचारी की पिटाई का मामला सामने आया। दबंगों ने बीच रास्ते पर कर्मचारी को इतना पीटा कि उसको अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। दरअसल गंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला बजरिया मुल्ला जरीफ निवासी जीशान जमील का कहना है कि वह जिला मलेरिया अधिकारी कार्यालय में आईएफडब्लू के पद पर तैनात हैं। दो वर्ष पूर्व उन्होने एक व्यक्ति से जमीन खरीदने का सौदा किया था। बयाने के तौर पर पांच लाख रुपये दिए थे। उसके बाद रजिस्ट्री कराना तय हो गया था। लेकिन उसने रजिस्ट्री नहीं कराई। आरोप है कि वह शनिवार को ड्यूटी से लंच के लिए घर जा रहे थे। तभी आरोपी ने रास्ते में रोककर गाली गलौज करते हुए उन पर हमला कर के घायल कर दिया। उनको अस्पताल में भर्ती कराया। कोतवाली थाने में तहरीर दी है। उन्होंने कार्रवाई की मांग की है। चोर समझकर युवक को पीटा, पुलिस को सौंपा- चौकी क्षेत्र के गांव मोतीपुरा खोद के ग्रामीणों ने संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक युवक को पकड़ कर पिटाई कर दी। उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस उसे मानसिक रूप से कमजोर बता रही है। चौकी क्षेत्र के गांव में चोरों का काफी आतंक चल रहा है। शाम ढलते ही गांवों में चोरों के घुसने की आवाजें आने लगती हैं। शनिवार को मोतीपुरा गांव में एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहा था। ग्रामीणों ने शक होने के आधार पर उसे घेर लिया और चोर बताकर पीटना शुरू कर दिया। जिससे काफी देर तक हंगामा होता रहा। ग्रामीणों ने उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस का कहना है कि ग्रामीणों की पिटाई का शिकार युवक मानसिक रूप से कमजोर है जो ग्रामीणों को सही जानकारी नहीं दे रहा था। जिसकी वजह से ग्रामीणों की पिटाई का शिकार हुआ है।

लॉरेंस गैंग ने 48 घंटे में तीन बार की थीं कॉल... हाशमी और उनके परिवार को मारने धमकी देकर मांगे दो करोड़

मुरादाबाद- अमरोहा में हाशमी ग्रुप के चेयरमैन को लॉरेंस गैंग ने 48 घंटे में तीन बार कॉल की थी। पुलिस ने मेटा से जानकारी मांगी है। हाशमी और उनके परिवार को मारने धमकी देकर मांगे दो करोड़ रुपये मांगे गए हैं। अमरोहा में हाशमी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ की रंगदारी मांगने के तार लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े हुए हैं।मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने दरोगा से विवेचना को इंस्पेक्टर के लिए ट्रांसफर कर दिया है। अब मामले की विवेचना नगर इंस्पेक्टर पंकज तोमर करेंगे। 30 जुलाई से एक अगस्त तक 48 घंटे में तीन बार कॉल की गई थी। साइबर थाना पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर आईपी एड्रेस के साथ आरोपी की लोकेशन तलाशने की कोशिश कर रही है। साथ ही व्हाट्सएप से भी जानकारी मांगी गई है। धमकी के बाद हाशमी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी, उनके बेटे डॉ. बुरहानुद्दीन हाशमी और परिवार के अन्य सदस्यों में दहशत का माहौल है। उन्होंने घर से निकलना भी बंद कर दिया है। मोहल्ला काजीजादा के रहने वाले हाशमी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी को 30 जुलाई की सुबह डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी और उनके भाइयों के फोन पर पुर्तगाल देश के नंबर 351920058923 से कॉल आई थी, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। ,इसके बाद उसी नंबर से डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी के बेटे डॉ. बुरहानुद्दीन हाशमी के नंबर पर कॉल आई। इसके थोड़ी देर बाद उसी नंबर से व्हाट्सएप पर धमकी भरे संदेश भेजे गए, जिसमें दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है। ,रुपये अदा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप से रोहित गोदारा का छोटा भाई राहुल बताया है। नगर कोतवाली पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धमकी और जबरन वसूली करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। कोतवाली पुलिस के अलावा साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। उधर, एसपी अमित कुमार आनंद ने डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी और उनके बेटे को अपने ऑफिस बुलाकर बात की। साथ ही उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। धमकी देने वाले ने तय समय पर नहीं की कॉल, उसका नंबर भी आ रहा बंद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा का छोटा भाई राहुल बनकर जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ रुपये की रंगदारी मानने वाले युवक ने शनिवार के दोपहर दो बजे फोन करने के लिए कहा था, लेकिन उसकी कॉल नहीं आई। इस दौरान डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी के बेटे डॉ. बुरहानुद्दीन हाशमी ने कॉल की तो उसका नंबर बंद आ रहा था। धमकी वाले मामले में साइबर थाना पुलिस के अलावा तीन टीम में काम कर रही हैं। व्हाट्सएप कॉल आई थी, इसलिए व्हाट्सएप मुख्यालय से कुछ जानकारी मांगी गई है। जल्द ही धमकी देने वाले को पकड़ा जाएगा। -अमित कुमार आनंद, एसपी

यूपी में भाजपा नेता का कत्ल: बूथ अध्यक्ष की हत्या...मंदिर के पास बैठे थे रिंकू; ऐसे हाल में सुबह यहां मिली लाश

मुरादाबाद- यूपी के मुरादाबाद में भाजपा के बूथ अध्यक्ष की हत्या का मामला सामने आया है। सरकारी अस्पताल के गेट के पास भाजपा नेता रिंकू का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना इलाके के रतनपुर कलां गांव के भाजपा बूथ अध्यक्ष रिंकू सिंह की हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह उनका शव गांव में ही सरकारी अस्पताल के पास गेट के पास पड़ा मिला। शनिवार शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने पर विसरा सुरक्षित रखा गया है। परिजनों का आरोप है कि किसी ने जहर खिलाकर हत्या की है। रतनपुर कलां निवासी रिंकू सिंह ग्रोथ सेंटर स्थित फर्म में ठेकेदारी करते थे। इनके परिवार में पत्नी शीला और पांच बेटियां हैं। पत्नी शीला ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की शाम खाना खाने के बाद अपना मोबाइल घर में ही चार्जिंग पर लगाने के बाद गांव में घूमने चले गए थे। रात करीब दस बजे तक वह घर नहीं लौटे तो पत्नी शीला ने रिंकू के दोस्त रोहित के मोबाइल पर कॉल की। रोहित ने शीला को जानकारी दी कि रिंकू गांव में मंदिर के पास बैठे हैं। इसके बाद शीला और उसकी बेटियां सो गईं। सरकारी अस्पताल के गेट के पास औंधे मुंह पड़ा था रिंकू शनिवार सुबह करीब पांच बजे बलवीर सिंह अपने खेत पर जा रहे थे। उन्होंने देखा कि सरकारी अस्पताल के गेट के पास रिंकू औंधे मुंह पड़ा हुआ है। बलवीर के शोर मचाने पर परिजन और अन्य ग्रामीण भी गए। रिंकू के मुंह से झाग निकल रहे थे। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए लेकिन उनकी मृत्यु हो चुकी थी। जानकारी मिलने पर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह और सीओ हाईवे मौके पर पहुंच गए और फॉरेंसिक टीम बुला ली गई। ,अंत में किसके साथ मौजूद थे रिंकू सिंह एसपी सिटी ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पाकबड़ा थाने की पुलिस की जांच कर रही है कि शुक्रवार रात रिंकू सिंह किसके साथ मौजूद थे।

दिल दहला देने वाला सीसीटीवी...सरे बाजार ई-रिक्शा चालक की हत्या कर निकल गया था आरिफ

मुरादाबाद-ई-रिक्शा में सवारी बैठाने को लेकर दो चालकों के बीच गुरुवार को विवाद हुआ था। जिसमें एक ई-रिक्शा चालक की हत्या कर दी गई थी। अब पूरी वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है दरअसल सिविल लाइन थाना क्षेत्र में सवारी बैठाने को लेकर गुरुवार को हुई वारदात के दो वीडियो वायरल हो रहे हैं। पहला वीडियो सलीम की हत्या की हत्या से पहले दोनों ई-रिक्शा चालकों के बीच विवाद का है तो दूसरे वीडियो में आरोपी आरिफ सलीम की हत्या करता दिख रहा है। दोनों ही वीडियो पास ही किसी दुकान में लगे सीसीटीवी के बताए जा रहे हैं। पहले वीडियो में देखा जा सकता है कि सलीम और आरिफ ई-रिक्शा में बैठे-बैठे एक दूसरे से नोकझोंक करते दिख रहे हैं। वहीं दूसरे वीडियो में आरोपी आरिफ ने सलीम के ऊपर पेचकस से हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। दहला देने वाले हत्या के इस वीडियो में सड़क पर चलने वाले राहगीरों का रवैया भी सामने आया। लोग खड़े होकर तमाशा देखते रहे। तमाशबीन बनी भीड़ के आगे ही आरोपी आरिफ सलीम की हत्या कर मौके से फरार हो गया। किसी की हिम्मत उसे बचाने की नहीं हुई। हालांकि पुलिस आरोपी आरोपी आरिफ को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

राजाजी पार्क में हाथियों के लिए बनेगा एनिमल ओवर पास, पटरियों के पास बिछाई जाएगी रबड़ की सड़क

मुरादाबाद- हरिद्वार-देहरादून रेलखंड पर हाथियों को हादसों से बचाने के लिए राजाजी पार्क क्षेत्र में एनिमल ओवर पास बनाए जाएंगे। इसके अलावा रेलवे पटरियों के पास चाहरदीवारी और हल्के करंट वाले तार भी लगाए जाएंगे। जिससे की हाथी ट्रैक पर न आ सकें। हरिद्वार-देहरादून रेलखंड पर राजाजी पार्क में हाथियों को हादसों से बचाने के लिए एनिमल ओवर पास बनाए जाएंगे। एनिमल ओवर पास बनाने के बाद उन्हें पहाड़नुमा प्राकृतिक रूप दिया जाएगा। इससे नहीं होंगे। रेलवे इस सेक्शन में ट्रेनों की स्पीड बढ़ाकर 100 किमी भारतीय वन्य जीव संस्थान की बैठक में लिया गया। जब से यहां रेल है। रात में ट्रेनें 35 किमी प्रतिघंटा की धीमी गति से गुजरती हैं। पास कुछ हिस्से में चाहरदीवारी बनाएगा। बाकी हिस्से में हल्के करंट एहसास होगा और वह रेललाइन से पीछे हट जाएंगे। साथ ही लगाए जाएंगे। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों का तकनीक काम करेगी। इन सब इंतजामों के अलावा पटरियों पर भी लगाई जाएगी। यदि हाथी रेलवे वाइन पर आते हैं तो ड्राइवर को भी बताएगी जिससे समय रहते ट्रेन को रोका जा सके। पटरियों के ऑफ इंडिया की ओर से कहा गया है कि हाथियों के पैर रेलवे ट्रैक के में परेशानी होती है। इस समस्या से बचने के लिए ट्रैक के पास से बजरी कम कर रबड़ बिछाई जाएगी। जनवरी 2021 में उत्तर रेलवे के संरक्षा आयुक्त ने हरिद्वार-देहरादून और रायवाला-ऋषिकेश के बीच ट्रेनों को 100 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलाने की अनुमति दी थी लेकिन सुरक्षा इंतजाम न होने के कारण रेलवे अब तक स्पीड बढ़ा नहीं पाया है। अप्रैल 2026 तक हर्रावाला स्टेशन को शुरू करने की तैयारी - हरिद्वार-देहरादून रेलखंड के स्टेशन हर्रावाला को विकसित करने की दिशा में रेलवे तेजी से काम कर रहा है। नवागत डीआरएम ने सबसे पहला दौरा हर्रावाला स्टेशन का किया है। रेल प्रशासन का कहना है कि काम सेंक्शन हो चुके हैं। टेंडर प्रक्रिया चल रही है। अप्रैल 2026 तक हर्रावाला स्टेशन को रेल संचालन के लिए शुरू करने का लक्ष्य है। फिलहाल देहरादून से ज्यादातर ट्रेनों का संचालन होता है लेकिन वहां भौगोलिक कारणों से 18 कोच से ज्यादा की ट्रेन नहीं चल सकती। हर्रावाला से 24 कोच की ट्रेन चलाई जाएगी। राजाजी नेशनल पार्क में 20 किमी रेललाइन है। यहां ट्रेनें रात में 35 किमी प्रतिघंटे की गति से गुजरती हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान की रिपोर्ट पर काम किया जा रहा है। हाथियों के गुजरने के लिए रास्ते को प्राकृतिक रूप से बनाया जाएगा। हरिद्वार से देहरादून तक 65 किमी रेललाइन पर गति बढ़ाने की तैयारी है। -आदित्य गुप्ता, सीनियर डीसीएम

हाथी पुल के ऊपर से गुजरकर रेलवे ट्रैक पार कर सकेंगे और हादसे प्रतिघंटा करने की तैयारी कर रहा है। यह निर्णय रेल प्रशासन और लाइन बिछी है, तब से ट्रेनों की अधिकतम गति 50 किमी प्रतिघंटा प्राकृतिक एनिमल ओवर पास बनाने के अलावा रेलवे पटरियों के वाले तार बांधे जा रहे हैं, जिससे छूने पर हाथी को हल्के झटके का रेललाइन के नजदीक मधुमक्खियों की आवाज वाले सेंसर भी कहना है कि हाथी मधुमक्खी के काटने से डरते हैं, इसलिए यह सेंसर लगाने की तैयारी है। इससे संबंधित डिवाइस ट्रेन के इंजन में मैसेज मिल जाएगा। यह डिवाइस ड्राइवर को हाथी की लोकेशन पास बिछाई जाएगी रबड़ की सड़क- वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट पास पड़ी बजरी में फंस जाते हैं। ट्रेन आने पर उन्हें जल्दी निकलने

संक्षिप्त समाचार

ज्यादा मोबाइल देखने से सूख रहीं आंखें...कम उम्र में बच्चे ड्राई आई सिंड्रोम का शिकार

मुरादाबाद- मोबाइल का दुष्प्रभाव बच्चों की आंखों में दिखाई देने लगा है। अधिक मोबाइल देखने वाले बच्चों से लेकर युवा वर्ग के लोग ड्राई आई सिंड्रोम की बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। पहले यह बीमारी कभी कभार सिर्फ बुजुर्गों को होती थी, लेकिन अब लगातार मोबाइल के संपर्क में रहने के दुष्प्रभाव के कारण बच्चों में भी देखने को मिल रही है। जिला अस्पताल की नेत्र रोग ओपीडी में प्रतिदिन औसतन 30-35 नेत्र रोगी पहुंच रहे हैं। इनमें 15 से 20 रोगी ड्राई आई सिंड्रोम के मिल रहे हैं। इन दिनों इस बीमारी के रोगियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ भी रही है। इनमें बड़ी संख्या में छोटे बच्चे और छात्र-छात्राएं शामिल हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका सैन ने बताया कि बिना पलक झपके काफी देर तक किसी वस्तु या अन्य को देखने से ड्राई आई सिंड्रोम की बीमारी पैदा होती है। अक्सर देखा जाता है कि बच्चे मोबाइल देर तक देखते रहते हैं। इससे इस बीमारी का जन्म होता है। इस बीमारी में आंखों में चिकनाई (आंसू) की मात्रा घट जाती है, जिससे आंखें हर समय थकी-थकी दिखती हैं। सिर भी भारी रहता है। ऐसी शिकायत होने पर बार-बार आंखों की पलकें झपकाते रहें, इससे राहत मिलेगी। अधिक दिक्कत होने पर नेत्र विशेषज्ञ से परामर्श लें। बिना चिकित्सक परामर्श के कोई आई ड्रॉप या दवा का सेवन न करें।

पत्नी बोली पति से-तुम्हे छोड़ दूंगी लेकिन रील बनाना नहीं छोडूंगीं...टूटने की कगार पर था रिश्ता

मुरादाबाद- पत्नी द्वारा फिल्मी गीतों पर रील बनाकर वायरल करने के शौक की वजह से महज 19 महीने में ही रिश्ता टूटने के कगार पर पहुंच गया। विवाद के बाद पति पत्नी अलग हो गए। एक दूसरे पर आरोप लगाकर पुलिस में शिकायतें भी दर्ज कराईं। अब परिवार परामर्श केंद्र पर काउंसलर ने पति पत्नी को समझाया तो पत्नी रील न बनाने की बात पर सहमत हो गई। इसके बाद शादीशुदा जिंदगी फिर से पटरी पर लौट आई। थाना बनियाठेर के गांव निवासी एक युवती की शादी 2024 जनवरी महीने में जुनावई थाने के एक गांव निवासी युवक से हुई थी। युवती को फिल्मी गीतों पर रील बनाने का शौक था। शादी के बाद भी वह रील बनाकर वायरल करने लगी। पत्नी का ये शौक पति को बिल्कुल पसंद नहीं था। उसने मना किया लेकिन पत्नी नहीं मानी तो विवाद शुरू हो गया। पत्नी ने साफ कह दिया कि वह उसे छोड़ देगी लेकिन रील बनाना नहीं छोड़ेगी और नाराज होकर मायके चली गई। इस बीच पति व ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न करने का आरोप लगाकर पुलिस को तहरीर दी। यह मामला पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र पर पहुंचा तो पति ने बताया कि उसकी पत्नी रील बनाकर डालती है। गांव के लड़के उल्टे सीधे कमेंट करते हैं जो उसे पसंद नहीं है। उसे बेइज्जती महसूस होती है। काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय ने रिश्ते की अहमियत समझाई तो वह रील न बनाने पर सहमत हो गई। पति भी उसे साथ ले जाने के लिए राजी हो गया। दोनों हंसी-खुशी घरलौट गए।

सपा सांसद बर्क सहित 4 को समन...18 के खिलाफ वारंट जारी

मुरादाबाद- संभल हिंसा को लेकर दर्ज मुकदमे में पुलिस द्वारा चार्जशीट दाखिल कर दिए जाने के बाद अब अदालत में मामले का ट्रायल शुरू हो गया है। अदालत ने हिंसा आरोपी सांसद जियाउर्रहमान बर्क़ सहित चार लोगों को समन जारी कर तलब किया है। जबकि 18 के वारंट जारी किए गए हैं। 2024 में 24 नवंबर को जामा मस्जिद में सर्वे की कार्रवाई के दौरान हुई हिंसा को लेकर पुलिस की तरफ से कोतवाली संभल में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 335 में अन्य लोगों के साथ ही सांसद जियाउर्रहमान बर्क़ को भी आरोपी बनाया गया था। इस मुकदमे को लेकर पुलिस ने सांसद बर्क़ व जामा मस्जिद सदर जफर अली सहित 23 लोगों के खिलाफ अदालत में चार्टशीट दाखिल कर दी थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जमानत स्वीकृत होने के बाद एक दिन पहले ही जामा मस्जिद सदर जफर अली की जेल से रिहाई हुई है। अब अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए कोर्ट जनपद संभल ने संभल हिंसा के नामजद अभियुक्त सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क सहित चार लोगों के विरुद्ध सम्मन जारी कर तलब किया है। वहीं तीन लोगों के विरुद्ध जमानतीय वारंट और 15 लोगों के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिला प्रशासन द्वारा श्रावण माह में सभी तहसीलो में भंडारो में शिव भक्तो को कराया प्रसाद वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आंवला के ग्राम नितोई एवं रामगंगा में कांवड़ियों का माल्यापर्ण कर आयोजित भंडारे में प्रसाद वितरित किया व कावड़ियों पर पुष्प वर्षा की और उनकी कुशलता पूछी कि आने जाने में किसी प्रकार कि कोई समस्या तो नहीं है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह सावन का महीना चल रहा है जिसमें हमारे भक्तगण कावड़ लेने जाते हैं, कुछ लोग कछला एवं कुछ लोग हरिद्वार से भी जल लेकर आते है और भगवान भोलेनाथ को अर्पित करते हैं7 उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा भी कावड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा की जा रही है मा0 मुख्यमंत्री जी से प्रेरणा लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा बरेली जनपद कि प्रत्येक तहसीलों में कावड़ यात्रियों के ठहरने, उनके भोजन करने तथा स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेडिकल कैंप की भी पूर्ण व्यवस्था की गई है जिससे यदि कोई यात्री यात्रा के दौरान बीमार हो जाता है तो उसका उपचार किया जा सके । इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, उपजिलाधिकारी आंवला विदुषी सिंह, उपजिलाधिकारी सदर प्रमोद कुमार सहित अन्य अधिकारीगण व शिवभक्त उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी जिले को देंगे 20 अरब की सौगात, छह को होने वाली सीएम की सभा की तैयारियां शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 6 अगस्त के प्रस्तावित दौरे को लेकर नगर निगम ने शहर को चमकाने की तैयारी शुरू कर दी है। सीएम रूट की सड़कों के साथ टूटे डिवाइडरों की मरम्मत कराने के लिए अफसरों को निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री स्मार्ट सिटी की करीब 400 करोड़ की परियोजनाओं को सौगात देंगे। सीएम के दौरे से पहले रविवार को बरेली कॉलेज ग्राउंड पर पंडाल बनना शुरू हो गया। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 174 करोड़ रुपये की लागत से विकसित अर्बन हाट अब पूरी तरह बनकर तैयार है। यह प्रोजेक्ट बरेली की हस्तशिल्प, बुनकरी और लोक कलाओं को एक बड़ा मंच देगा। इसके अलावा नगर निगम ने सड़क, सीवरेज और स्ट्रीट लाइटिंग से जुड़ी योजनाओं की सूची तैयार कर ली है। ये योजनाएं लगभग 110 करोड़ रुपये की हैं। सीएम ग्रिड योजना फेज-2 में नगर निगम के निर्माण विभाग ने 65 करोड़ रुपये की परियोजनाएं तैयार की हैं। वहीं 35 करोड़ रुपये की लागत से तैयार जीआईसी आडिटोरियम, 11 करोड़ से बना स्काई वाक और 10 करोड़ से तैयार राइफल क्लब को भी नगर निगम में सूचीबद्ध किया है। निगम के अधिकारियों के अनुसार सभी प्रस्ताव तैयार कर फाइलें शासन को भेजी जा चुकी हैं। इन सभी परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण मुख्यमंत्री करेंगे।

जिला महिला अस्पताल में गूंजी तीन किलकारियां

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली। जिला महिला अस्पताल में रविवार को गम्भीर प्रसव पीड़ा में भर्ती हुई मरीज ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया, स्टाफ ने सूझबूझ के साथ सुरक्षित प्रसव कराया, तीनों बच्चे और जच्चा स्वस्थ्य हैं। शहर के फतेहगंज के सिहोरा गांव निवासी अशरफ की पत्नी कमरुन्निसा 9 माह की गर्भवती थीं, रविवार तड़के करीब 4 बजे उसे गंभीर प्रसव पीड़ा होने लगी जिस पर परिजन करीब 5 बजे उसे लेकर जिला महिला अस्पताल पहुंचे, यहां स्टाफ ने मरीज की हालत गंभीर देख फौरन लेबर रूम में शिफ्ट किया। आनन-फानन में प्रसव कराया तो महिला ने तीन स्वस्थ्य बच्चों को जन्म दिया, प्रसव कराने वाले स्टाफ में वरिष्ठ डॉक्टर सीमा सिंह के साथ रेजिडेंट डॉक्टर तेजस्वनी व नर्सिंग स्टाफ मधु और वाणी शामिल रहे। एमसीसएच में पहली बार हुए ट्रिप्लेट चाइल्ड जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर त्रिभुवन प्रसाद ने बताया कि ट्रिप्लेट डिलीवरी अन्य की तुलना में जटिल होती है लेकिन स्टाफ ने पूरी सूझबूझ दिखाते हुए प्रसव कराया। हालांकि एमसीएच विंग बनने के बाद ट्रिप्लेट प्रसव के ये पहला मामला है। हालांकि तीनों शिशुओं को एसएनसीयू में भर्ती किया गया है।

मुस्लिम महिलाओं ने कांवड़ियों के जत्थों पर बरसाए फूल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र के जोगी नवादा में दो साल पहले फायरिंग व लाठीचार्ज से बना तनातनी का माहौल अब पूरी तरह खत्म हो चुका है। हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग पुराने गिले शिकवे भूलकर साथ आ गए हैं। सावन की आखिरी कांवड़ यात्रा का नजारा कुछ ऐसा ही था। महंत राकेश कश्यप का कांवड़ जत्था उस वक्त दूसरे पक्ष के लोगों ने परंपरागत न बताकर रोक दिया था जिससे विवाद की स्थिति बन गई थी। दोनों समुदाय के लोग अपने जुलूस नहीं निकाल पाए थे। रविवार को महंत राकेश का जत्था पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में यहां से निकला। ये जुलूस मौर्य गली से प्रारंभ होकर कब्रिस्तान तिराहा, शाहनूरी मस्जिद होते हुए मुस्लिम बस्ती के मोहल्ले से होकर बनखंडी नाथ मंदिर पर सकुशल पहुंच गया। इस कांवड़ यात्रा में महिला पुरुषों की संख्या डेढ़ हजार के आसपास थी। मार्ग में मुस्लिम समाज के प्रतिष्ठित लोगों खासकर महिलाओं ने जगह-जगह टेंट लगाकर कांवड़ियों पर फूल बरसाए। उन्हें फल-पानी देकर विदा किया।

श्री गंगा महारानी शोभायात्रा का एसपी सिटी व अन्य अधिकारियों ने किया रूट निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आगामी दिनांक 19.08.2025 को बरेली में पारंपरिक श्रीगंगा महारानी शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसका निर्धारित रूट थाना किला क्षेत्र से प्रारंभ होकर कोतवाली एवं कोतवाली से बारादरी थाना क्षेत्र तक प्रस्तावित है। शोभायात्रा के सफल, सुरक्षित एवं शांति पूर्ण संचालन के दृष्टिगत आज दिनांक 2.8.2025 को पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक द्वारा उक्त तीनों थाना क्षेत्रों में शोभायात्रा के निर्धारित मार्ग का स्थलीय भ्रमण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा शोभायात्रा के रूट पर सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में संबंधित थाना प्रभारियों तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों की व्यवस्था, बैरियर एवं रूट डायवर्जन की योजना समय से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण एवं रूट भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक बरेली, सिटी मजिस्ट्रेट बरेली, क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम, क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय, क्षेत्राधिकारी एलआईयू, समेत अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जनपद बरेली पुलिस आमजन से अपील करती है कि शोभायात्रा में सहयोग करें, किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें, शांति एवं सौहार्द बनाए रखें, तथा कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन या डायल 112 पर सूचना दें।

शिवभक्तों की सेवा में प्रसाद परोसते हुए बोले डीएम- यात्रा में कोई परेशानी तो नहीं हुई

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा पर निकले भोले के भक्तों के स्वागत में इस बार बरेली का प्रशासन भी पूरी तरह तैयार है। रविवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह खुद आंवला तहसील के गांव नितोई और रामगंगा पहुंचे, जहां उन्होंने शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा की, माला पहनाकर उनका स्वागत किया और भंडारे में प्रसाद भी वितरित किया। कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए लगे मेडिकल कैंप शिवभक्तों से बात करते हुए डीएम ने यात्रा के अनुभव भी जाने और यह पूछा कि कहीं रास्ते में कोई परेशानी तो नहीं हुई। प्रशासन की ओर से श्रावण के हर रविवार और सोमवार को जिले की हर तहसील में भंडारे लगाए जा रहे हैं। यहां कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालु न सिर्फ प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं बल्कि आराम भी कर पा रहे हैं। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए हर जगह मेडिकल कैंप भी लगाए गए हैं, ताकि किसी श्रद्धालु को तबीयत बिगड़ने पर तुरंत इलाज मिल सके।

80 वार्डों को कूड़ा निस्तारण के लिए मिलेंगे आधुनिक उपकरण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सिटीज 2.0 योजना के तहत शहर के 80 वार्डों को कचरा मुक्त किया जाएगा। इसके लिए हाईटेक उपकरण मिलेंगे, जो वार्डों के विकास और स्वच्छता में सुधार के लिए उपयोग किए जाएंगे। इसके लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (एनआईयूए) और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड (टीसीई) की संयुक्त टीम ने एक विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट तैयार कर केंद्र सरकार और नगर आयुक्त को सौंपी है। इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हाईटेक उपकरणों के उपयोग से वार्डों की स्वच्छता में सुधार होगा और कूड़ा-कचरा प्रबंधन बेहतर होगा। इसके अलावा बेहतर सुविधाएं मिलने नागरिक अपने वार्डों के विकास में भागीदार भी बनेंगे। पिछले साल सिटीज 2.0 के लिए देशभर की 84 स्मार्ट सिटीज ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर अपने-अपने प्रोजेक्ट को शामिल किया था। इसमें बरेली समेत 18 स्मार्ट सिटी का चयन हुआ था। नगर निगम से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों केंद्र सरकार के दिशा निर्देश पर दो टीमों ने बरेली पहुंचकर 80 वार्डों का सर्वे कर अपनी रिपोर्ट तैयार की। जिसमें कहा गया कि वर्तमान में वार्ड स्तर पर कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया में आधुनिक उपकरणों की भारी कमी है, जिससे सफाई व्यवस्था बाधित होती है। टीम ने वार्डों का भौतिक निरीक्षण कर यह निष्कर्ष निकाला कि प्रभावी निस्तारण के लिए आधुनिक मशीनों और तकनीकों की जरूरत है। स्थानीय स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी भी इस पूरी प्रक्रिया में बेहद महत्वपूर्ण होगी। उनकी सक्रिय सहभागिता से न केवल रोजगार सृजन होगा, बल्कि कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी भी विकेंद्रीकृत होकर अधिक सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य का कहना है कि संयुक्त टीमों ने शहर के सभी वार्डों का सर्वे पूरा कर रिपोर्ट सौंपी है। जिसके तहत कूड़ा निस्तारण के लिए आधुनिक उपकरण लिए जाएंगे। इसके लिए शीघ्र ही अधिकारियों के साथ बैठकर प्लानिंग की जाएगी। शासन से दिशा-निर्देश आने के बाद चयनित हर वार्ड की निगरानी के लिए अधिकारी भी नियुक्त किए जाएंगे।

वारण्टी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में जनपद बहराइच के सराहनीय कार्य जनपद में वारण्टी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार, गिरफ्तार वारण्टी का विवरण थाना रिसिया पुलिस द्वारा वारण्टी 1- बछऊ उर्फ असगर अली पुत्र बलवान उर्फ अब्दुल हमीद नि0 डिहवा थाना रिसिया बहराइच सम्बन्धित मु0सं0 750/12 मु0अ0सं0 542/12 धारा 382 भादवि, 2-मोईनुद्दीन पुत्र मुनव्वर नि0 कारीजोर थाना रिसिया जनपद बहराइच सम्बन्धित मु0स0 1288/04 मु0अ0स0 84/94धारा 379/411 भादवि. व 4/10 F.Act. 3-भोगल उर्फ शकील पुत्र महफूजुर्रहमान निवासी पचपुरवा दा0 गोकुलपुर थाना रिसिया बहराइच सम्बन्धित मु0सं0 16684/22 मु0अ0स0 142/22 धारा 8/21 एनडीपीएस गिरफ्तार

खैरीघाट थाना क्षेत्र के प्राइवेट डबल डेकर बस, पलटने से बची बाल बाल बचे बच्चे व सवारियां

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी / थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत लौकिहा के पास में डबल डेकर बस पलटने की कगार पर लटकी हुई है, डबल डेकर बस के दो पहिए बंधे के खले और दो ऊपर यात्रियों से भरी बस पलटते पलटते बच्ची,,नानपारा से खैरी घाट की तरफ जा रही डबल डेकर बस पलटने की कगार पर लटकी है,, लगातार फर्राटा भर रही डबल डेकर प्राइवेट बस बन रहा खतरा, ड्राइवर व सवारियों को किसी तरीके से बाहर निकल गया स्थानीय लोगों की मदद से खैरीघाट इलाके लौकीहा मंदिर के पास की है घटना, सभी सुरक्षित बाहर निकल गए नहीं तो हो सकता था बड़ा हादसा ड्राइवर के सूझबूझ से पलटने से बची बस,,

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ शैलेन्द्र कुमार पांडेय / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र के कुशल काउंसलर्स श्री फहीम किदवई, श्री सरजीत सिंह तथा उ0नि0 रमाशंकर मिश्र, हे0का0 ओमप्रकाश यादव, म0आ0 निशी त्रिवेदी, म0आ0 छाया द्विवेदी, म0आ0 सविता मिश्रा द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस लाइन बहराइच प्रेक्षागृह बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दम्पत्ति जोड़ों को एक-दूसरे के साथ आपस में सामन्जस्य स्थापित कर, परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

इलाहाबाद जन कल्याण समिति ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुँचाई राहत सामग्री

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रयागराज/ हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों में सहायता पहुँचाने हेतु इलाहाबाद जन कल्याण समिति ने एक राहत अभियान चलाया। समिति की दो विशेष टीमों ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर सैकड़ों पीड़ित परिवारों को राशन, पीने का पानी, दवाइयाँ, कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। समिति के सक्रिय सदस्य मोहम्मद हन्जला ने जानकारी देते हुए कहा, यह अभियान पूरी तरह से समाज सेवा की भावना से प्रेरित है। हमारी टीम ने ज़मीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं को समझा और तत्काल राहत पहुँचाई। यह सेवा आगे भी जारी रहेगी। समिति के कोषाध्यक्ष मोहम्मद नासिर ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस सहायता नहीं पहुँच पाई है। ऐसे में स्थानीय संगठनों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। समिति के सचिव परशुराम ने बताया कि हमारी दो टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। कई ऐसे गाँव हैं जहाँ सड़कों का संपर्क टूट गया है, वहाँ नावों के माध्यम से राहत सामग्री जैसे भोजन और दवाइयाँ पहुँचाई जा रही हैं। स्थानीय नागरिकों ने समिति के इस प्रयास की सराहना की और इस कठिन समय में उनके द्वारा किए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

थाना नैनी की संयुक्त टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रयागराज/ एसओजी यमुनानगर जोन व थाना नैनी की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक - 02.08.2025 को अभियुक्त लल्ला पासी पुत्र लवकुश पासी निवासी 119 चिल्ला थाना शिवकुटी कमिश्नरेट प्रयागराज को बंधा रोड पुराना टोल प्लाजा के पास थाना क्षेत्र नैनी से गिरफ्तार किया गया, कब्जे से 120 ग्राम अवैध अल्प्राजोलम पाउडर बरामद किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक-02.08.2025 को एसओजी यमुनानगर जोन व थाना नैनी की संयुक्त टीम द्वारा अभियुक्त लल्ला पासी पुत्र लवकुश पासी निवासी 119 चिल्ला थाना शिवकुटी कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना क्षेत्र नैनी से गिरफ्तार कर कब्जे से 120 ग्राम अवैध अल्प्राजोलम पाउडर बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना नैनी पर मु0अ0सं0 371/2025 धारा 8/22 NDPS Act पंजीकृत किया गया है ।

ग्रामीणों ने की स्ट्रीट लाइट एवं सीसीटीवी कैमरे लगवाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार/ पीलीभीत / हाल के दिनों में गांवों में ड्रोन व चोरों की अफवाह ने ग्रामीणों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर सड़कों पर निकल रहे हैं। चोरी की आशंका से लोग रात भर जागकर पहरा दे रहे हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिये ग्रामीण गांवों में स्ट्रीट लाइट एवं सीसीटीवी कैमरे लगवाने की मांग कर रहे है। अमरिया क्षेत्र के ग्राम पंचायत अण्डरायन के ग्रामीणों ने खण्डविकास अधिकारी अमरिया को पत्र भेजकर मांग की है कि हाल के दिनों में गांव में चोरी की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है, जिससे ग्राम वासियों में भय और असुरक्षा का माहौल

उत्पन्न हो गया है। विशेषकर रात के समय अंधेरे में संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही देखी जाती है। इसके कारण गांव की शांति भंग हो रही है। इसलिए गांव के प्रमुख रास्तों और गलियों स्ट्रीट लाइटें लगवाई जाए, ताकि रात समय रोशनी बनी रहे। इसके साथ ही हर मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाए, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और अपराध पर अंकुश लगाया जा सके। इन दोनों व्यवस्थाओं से गांव की सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों का विश्वास शासन प्रशासन में और बढ़ेगा। ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी अमरिया को संबोधित पत्र ग्राम प्रधान अण्डरायन रोशन लाल को सौंपा। ग्राम प्रधान ने उक्त विषय पर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। ग्राम प्रधान रोशनलाल ने बताया कि गांव की सुरक्षा और जनसुविधा से जुड़ा यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इसे प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा। इस मौके पर अंकित वर्मा, प्रमोद कुमार, नंदकिशोर वर्मा , अरुण कुमार, मुकेश कुमार, अजय कुमार, रवि कुमार, महेश कुमार, अनिल कुमार सहित अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

एसएसबी व वन विभाग की संयुक्त टीम ने भारत नेपाल सीमा पर की पेट्रोलिंग

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार/ पीलीभीत / सीमा सुरक्षा को लेकर भारत नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल व वन विभाग की टीम ने भारत नेपाल सीमा पर संयुक्त पेट्रोलिंग कर क्षेत्र की तमाम गतिविधियों का जायजा लिया है। 49 में वाहनीं सशस्त्र सीमा बल पीलीभीत कंपनी की सीमा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक दीपक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को वसही के जंगलों में वन विभाग के साथ पेट्रोलिंग किया गया पीलीभीत सशस्त्र सीमा बल 49 वीं बटालियन के कमांडेंट श्री शेर सिंह चौधरी के नेतृत्व में बी समावय

बसही के कंपनी कमांडर श्री उप निरीक्षक दीपक सिंह व अन्य जवान और वन विभाग के साथ भारत नेपाल स्तंभ संख्या 770 /3 से लेकर 769/ 16 तक जंगलों में पेट्रोलिंग किया गया तथा सीमा पर तमाम अवैध गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई गई तथा आने जाने वालों की जांच पडताल की गई।इस दौरान एसएसबी के मुख्य आरक्षी राजू ब्रह्मा, रामाशीष कुमार मेहता, समान्य आरक्षी हनुमान राम, रेखा कुमारी और अनुष्का कुमारी के अलावा फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के दरोगा पुष्कर सिंह, शमशेर सिंह, वॉचमैन राम कुमार के साथ जंगलों में संयुक्त टीम के साथ पेट्रोलिंग की गई।पेट्रोलिंग के दौरान आने जाने वाले लोगों को समझाया पेड़ को नहीं काटना है, पेड़ हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, पेड वातावरण शुद्ध रखता है, पेड छाया देता है और पेड से शुद्ध हवा मिलती है तथा बारिश भी होती है।

जनपद के लगभग 01 लाख 10 हजार कृषकों के खाते में पहुंची प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20 वीं किस्त किसान उत्सव समारोह के रूप में वाराणसी उत्तर प्रदेश से जारी की गई।

किसान सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन जनपद शामली में क्रमशः कृषि विज्ञान केन्द्र, शामली, राजकीय बीज गोदाम परिसर, कांधला, थानाभवन, कैराना,ऊन,एवं जनपद के सभी विकास खण्ड परिसर,जनपद की सभी ग्राम पंचायतों मे आयोजित किया गया जिसमें जनपद के लगभग 16981 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार ने अवगत कराया कि जनपद के लगभग 01 लाख 10 हजार कृषकों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की किस्त हस्तानान्तरित हुई। कृषि विज्ञान केन्द्र जलालपुर में आत्मा योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. सदस्य विधान परिषद श्री वीरेन्द्र सिंह जी द्वारा की गई। कृषि विज्ञान केन्द्र शामली में मा. सदस्य विधान परिषद श्री वीरेन्द्र सिंह जी द्वारा कृषकों को सम्बोधित कर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के विषय में बताया कि सरकार की योजनाओं में किसी भी बिचौलिये की कोई आवश्यक्ता नही है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थी को मिल रहा है।कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को श्री अन्न मिलेट्स के विषय में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया।उप कृषि निदेशक शामली द्वारा प्रधानमत्री किसान सम्मान निधि योजना के विषय में कृषकों को अवगत कराया गया कि कृषकों को कैसे प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लभा मिलेगा- जैसे कृषक के नाम भूमि, कृषक का आधार कार्ड बैंक से लिंक (एन.पी.सी.आई.) लिंक होना चाहिये, कृषक के आधार कार्ड में कृषक का मोबाई नम्बर अपडेट होना चाहिये। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी प्रदीप कुमार यादव द्वारा कार्यक्रम में कृषि विभाग से संचालित योजना त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषकों को निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरित किये गये।

बेसिक शिक्षा समिति, स्कूलों में करेगी, पौधारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच/रिठौरा। बेसिक शिक्षा समिति की मासिक बैठक रविवार को महामंत्री पंकज सक्सेना के आवास पर हुई। बैठक में स्कूलों में आ रहीं विभिन्न कठिनाईयों को लेकर चर्चा हुई। किसी भी स्कूल संचालक के साथ नाइंसाफी बर्दाश्त नहीं होगी।अध्यक्ष सुरेश यादव ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री की महात्वाकांक्षी योजना एक पेड़ मां के नाम लगाए जा रहे पौधरोपण कार्यक्रम को समिति भी सहयोग करते हुए जिलेभर के स्कूलों में

पौधरोपण करेगी।इस दौरान कृष्ण कुमार उर्फ के 0 के0 शर्मा, पीके दीवान,अभय भटनागर, रिंकेश सोरखिया, विक्रम सक्सेना, अमित गंगवार, मुकेश सक्सेना सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे

पीटीआर में दिखाई दिया दुर्लभ पक्षी जॉर्डन बुशचैट

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार/ पीलीभीत / पीलीभीत टाइगर रिजर्व में हाल ही में दुर्लभ पक्षी प्रजाति जॉर्डन बुशचैट की उपस्थिति दर्ज की गई है। यह पक्षी उत्तर भारत में बहुत ही कम स्थानों पर पाया जाता है और इसकी मौजूदगी पारिस्थितिक संतुलन व संरक्षण प्रयासों की सफलता को दर्शाती है। वर्तमान में पक्षियों की 350 से अधिक प्रजातियां पीटीआर में पाई जाती है। इसमें वैश्विक स्तर की 10 प्रजातियां भी शामिल है।पिछले कुछ महीनों से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में खूबसूरत डॉलर बर्ड (भारी भरकम, चपटे सिर वाला गहरे नीले रंग का पक्षी जिसकी छोटी चमकीली लाल चोंच होती है)और बेहद कम दिखने वाला जॉर्डन बुशचैट पक्षी(एक छोटा सा पक्षी है। जो पश्चिम एशिया और मध्य एशिया से लेकर भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण पूर्व एशिया तक पाया जाता है)भी देखा जा रहा है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की समृद्ध जैव विविधता में शामिल जॉर्डन बुशचैट एक दुर्लभ और विशिष्ट पक्षी है, जो आमतौर पर असम के काजीरंगा नेशनल पार्क और पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पाया जाता है। टरक्वाइज वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन सोसायटी के अध्यक्ष अख्तर मियां खान के अनुसार, हाल ही में पीटीआर के घास के मैदानों और दलदली क्षेत्रों में इस पक्षी की उपस्थिति दर्ज की गई है, जो एक उत्साहजनक संकेत है। वहीं डॉलर बर्ड पीलीभीत जंगल के संरक्षित होने से पूर्व देखा गया था। दुर्लभ प्रजाति के डॉलर बर्ड की मौजूदगी अब फिर से पीलीभीत टाइगर रिजर्व देखी गई है। जॉर्डन बुशचैट पक्षी की मौजूदगी पीलीभीत टाइगर रिजर्व के लग्गाभग्गा से लेकर हरीपुर जंगल तक है। जॉर्डन बुशचैट एक छोटा पक्षी है, जिसकी लंबाई लगभग 12-14 सेंटीमीटर होती है। जिसमें नर का रंग काले और का आकर्षक मिश्रण होता है, जबकि मादा का रंग हल्का भूरा होता है। खास बात यह है कि यह बेहद कम देखने को मिलता है और इस पक्षी का पीटीआर में दिखना जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। लेकिन इसके प्राकृतिक आवास खतरे में हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके संरक्षण के लिए नियमित पक्षी गणना, प्राकृतिक घासभूमि की रक्षा और स्थानीय समुदायों को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। जॉर्डन बुशचैट की उपस्थिति पीलीभीत टाइगर रिजर्व को केवल बाघों के आश्रयस्थल के रूप में नहीं, बल्कि पक्षी प्रेमियों और शोधकर्ताओं के लिए भी एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करती है।

संदिग्ध युवकों को चोर समझकर घेरा

क्यूँ न लिखूँ सच/ बब्लू / पीलीभीत / न्यूरिया थाना क्षेत्र के गांव रामपुरिया महोफ गुरुद्वारा के पास संदिग्ध युवकों को चोर समझकर घेरा रामपुरिया महोफ गुरुद्वारा के पास शनिवार रात पांच संदिग्ध युवकों को लोगों ने चोर समझकर पकड़ लिया। शाम करीब 8 बजे युवक गुरुद्वारे के पास कार से घूम रहे थे रामपुरिया गांव के सुमित्र सिंह ने उन्हें देखा ज़ब तक गांव के लोग आगये और जब नाम-पता पूछा। युवकों ने गोलमोल जवाब दिए जिससे को शक हुआ। उन्होंने युवक को वहीं रोक लिया। यह खबर जल्द ही पूरे इलाके में फैल गई। दर्जनों लोग मौके पर पहुंच गए और युवकों से पूछताछ करने लगे। जब वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया तो कुछ लोगों ने 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही 112 और थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने भीड़ को हटाया और युवकों को अपनी सुरक्षा में लेकर थाने ले गई।गांव में चोरों के शोर के बीच शनिवार रात न्यूरिया क्षेत्र में एक और मामला सामने आया। कार से बाघ देखने न्यूरिया क्षेत्र के महोफ गेट की ओर पहुंचे पांच युवकों को ग्रामीणों ने संदिग्ध समझकर पकड़ लिया। सूचना मिलने पर वन विभाग और पुलिस की टीमें भी सक्रिय हुई। पांचों युवकों को कार समेत थाने लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में पता चला कि युवक गूगल मैप के

■ न्यूरिया के महोफ रामपुरिया गांव से पकड़े युबको को थाने मे पूछ ताछ करती पुलिस

♦ न्यूरिया थाने मे चोरो को लेकर लगी भीड़ को अफवाह के संबंध मे समझाते थाना प्रभारी

जरिए रास्ते देखकर बाघ देखने के लिए महोफ गेट तक आए थे। रात का समय होने का कारण रास्ता भटकने के कारण क्षेत्र में घूमते रहे। ग्रामीणों और बाघ मित्रों ने इनको शिकारी और बदमाश समझाकर वन विभाग और पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस युवकों के बारे में जांच कर रही है।इन को देखने के लिए आसपास के ग्रामीण बा कस्बे से काफ़ी लोगो कि भीड़ देर रात तक थाना के गेट पर लगीरही क्षेत्र में हाल के दिनों में चोरो की दहशत बढ़ी हैं। इस वजह से लोगों में पहले से दहशत मे है। संदिग्ध युवकों की गतिविधियों ने माहौल और गरमा दिया। कुछ ही मिनटों में सैकड़ों की भीड़ जमा हो गई। थाना प्रभारी सुभाष मावी ने बताया कि युवकों से पूछताछ की जा रही है।उन्होंने अपना नाम सिराज, आजम खान, शारिक, सामी और इबरेज़ अहमद है ये सब थाना प्रेमनगर बरेली के रहने बाले है इन सबकी जांच थाना प्रेम नगर से कराके आगे कि करवाई कि जायगी और इन सब के परिजन बरेली से थाने आगये है । पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है

लोगों की जिंदगी से खेल रहे बड़े-बड़े दुकान माफिया

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत /बड़े-बड़े दुकान माफिया, खाने का नकली तेल

दुकानों में स्टाक कर रखा, लोगों की जिंदगी से रहे खेल प्रदेश, जनपद, कस्बों में बड़े-बड़े माफियाओं ने दुकानों में खाने का नकली तेल इतना स्टाक कर रखा है। और बेंच भी रहे हैं क्योंकि तेल की महंगाई ज्यादा आसमान छूने लगी है। इसलिए दुकानदार माफियाओं ने नकली तेल का स्टाक बना रखा है। और दुकान माफिया को लोगों की जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं उनकी दुकान चलती रहे और पैसा आता रहे। दुकान माफिया लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे। दुकान माफियों के आगे सरकार भी आंख बंद किया बैठी है। जबकि कालाबाजारी पर रोक नहीं लग रही और अब तो बाजार में इतना नकली सेवन की वस्तुओं का भरपूर मात्रा में दुकान माफिया करवा रहे हैं जिन पर कोई अंकुश नहीं है। और ना ही सरकार का डर है कि हमारा लाइसेंस निरस्त होगा। क्योंकि इस सरकार में भी नुमाइंदे ऐसे ऐसे हैं उन्हें भी कुछ लेना-देना नहीं है, क्योंकि उनको भी मंथली दुकान माफिया उन्हें मंथली सुविधा शुल्क पहुंचाते रहते हैं। इसलिए दुकानदारों का कोई डरखौफ नहीं है। जितना हो सके नकली वस्तुओं सेवन का इस्तेमाल करवा सके,दुकान माफिया बेधड़क होकर करवा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बारिश ने खोली सफाई व्यवस्था की पोल घरों में घुसा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिठौरा। थाना हाफिजगंज के ग्राम लभेड़ा उर्फ बुलंद नगर में रविवार को लगभग आधा घंटे की लगातार बारिश ने गांव की नालियों की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी दर्जनों घरों में पानी घरों में घुस गया। गलियां भी तालाब में बदल गयीं।

दरोगा जगमोहन सिंह कैलिया थाने के एसएसआई बने

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना कैलिया में पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार ने गस्ती जारी की है जिनमें कैलिया थाने में एसएसआई के पद पर दरोगा जगमोहन सिंह को पोस्ट किया है अभी तक दरोगा जगमोहन सिंह उरई पुलिस लाइन में कार्यरत थे जो अब एसएसआई के पद की जिम्मेदारी संभालेंगे थाना कैलिया में पूर्व में एसएसआई के पद पर तैनात दरोगा अश्वनी कुमार तिवारी का जिला जालौन में कार्य काल पूर्ण होने पर उनका कानपुर जोन में स्थानांतरण हों जाने पर यह एसएसआई का पद खाली चल रहा था वहीं कैलिया थाने की ही जगनपुरा पुलिस चौकी में तैनात सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार यादव का तबादला पुलिस लाइन उरई में कर दिया गया है इस कारण इस जगन पुरा पुलिस चौकी में पुलिस लाइन उरई में कार्यरत दरोगा विवेक कुमार मिश्रा को इस चौकी का दायित्व सौंपा है वहीं जगनपुरा पुलिस चौकी में प्रभारी रहे अनिल कुमार ने कानून व्यवस्था और अच्छा बनाने और अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण कार्य किया है और क्षेत्र में अपराधियों बदमाशों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर जेल भेजने का कार्य किया है क्षेत्र में अच्छे भले लोगो का उनके कार्यकाल में सम्मान होता रहा और पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है

ग्राम रवा में डीपीएन स्कूल में MLC प्रतिनिधि आर. पी. निरंजन ने सुनी जनसमस्याएं, किया निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ कोंच जालौन 4 अगस्त- ग्राम रवा स्थित डीपीएन स्कूल परिसर में शुक्रवार को विधान परिषद सदस्य (MLC) प्रतिनिधि श्री आर. पी. निरंजन द्वारा जनसमस्याओं की सुनवाई और समाधान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में

ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। श्री निरंजन ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पेयजल से जुड़ी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई के आश्वासन दिए गए। इस अवसर पर उन्होंने कहा, जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता है। शासन की योजनाएं तभी सफल होती हैं जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। कार्यक्रम में ब्लॉक स्तर के अधिकारी, ग्राम प्रधान, शिक्षक, वरिष्ठ नागरिक और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय प्रांगण में शिविर के दौरान स्वच्छता, वृद्धावस्था पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई। ग्रामीणों ने रूष्ट प्रतिनिधि का आभार जताते हुए कहा कि इस तरह के जन संवाद कार्यक्रमों से लोगों को अपनी बात रखने का अवसर मिलता है और समस्याओं का समाधान शीघ्र होता है।

संपूर्ण समाधान दिवस में अधीक्षण अभियंता विद्युत रहे अनुपस्थित डीएम ने दिए एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश।

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली प्रदेश सरकार के महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज तहसील ऊन के सभागार में आयोजित किया गया।आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को सुनकर संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का ससमय गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए।संपूर्ण समाधान दिवस में विद्युत विभाग की शिकायत पर डीएम द्वारा अधीक्षण अभियंता विद्युत के अनुपस्थित पायें जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिये। संपूर्ण समाधान दिवस में आज फरियादियों द्वारा 33 शिकायतें पत्र प्राप्त हुए जिनमें से मात्र-03 शिकायतों का निस्तारण मौके पर कर दिया गया। और शेष शिकायतों का समय से निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। निस्तारण में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक श्री राम सेवक गौतम ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पुलिस से संबंधित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें।

श्रावण मास के पाँवन पर्व में पार्थिव सवा लाख शिवलिंग का निर्माण करवाते हुये रुद्रा अभिषेक आरती पूजन

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रयागराज- महर्षि विश्वामित्र पीठ मोहब्बत गंज वृंदावन कॉलोनी प्रयागराज में श्रावण मास के पाँवन पर्व में पार्थिव सवा लाख शिवलिंग का निर्माण करवाते हुये रुद्रा अभिषेक आरती पूजन लगातार निरंतर 21 दिनों तक चलती रही आज महिला शक्तियों और श्रद्धांलुओं के द्वारा भव्य हवन पूजन यज्ञ का आयोजन परम् पूज्य श्री श्री 1008 श्री राकेशा नन्द ठाकुर जी महराज जी के द्वारा वेद मंत्रो के द्वारा पूजन करवाते हुये भोजन भंडारे की उत्तम वेवस्थाएं करवाया गया जिसमें हजारों की तादात में ग्रामीण वासी किसान मजदूर युवा और व्यापारियों एवं महिला शक्तियों का आगमन हुआ ततपश्चात् पूजन की समाप्ति के बाद भगवान शिव शंकर और श्री राम चंद्र जी और माता सीता एवं भ्राता लखन लाल जी एवं श्री हनुमान जी को विदाई करते हुये स्थान ग्रहण करवा कर पुन: पूजन में हुये हवन सामग्री को माँ गंगा की गोद में समर्पित भाव से विसर्जन किया गया! वहीं भक्तो और महिला शक्तियों ने प्रभु का जयकारा लगाया साथ ही मीडिया साथियों को परम् आदरणीय गुरु जी के द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया और साथ ही श्री राकेशा नन्द ठाकुर जी महराज द्वारा देशवासियों को मीडिया के माध्यम से सन्देश देते हुये कार्यक्रम का समापन किया अभिषेक कराने वाले भक्तो में श्रीमती मालती जी आदिद्री जी विकास जी अंश जी निर्मला जी उषा जी बाबूराम जी सरिता जी एवं अन्य सभी पुजारी गणों के साथ इत्यादि भक्तगणअभिषेक हवन पूजन आरती व कलश यात्रा कार्यक्रम में सैकड़ों महिला शक्तियां उपस्थित रही।

अज्ञात पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर एक की मौके पर मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जनपद के भिनगा-इकौना हाईवे मार्ग पर एक अज्ञात पिकअप वाहन ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान दिनेश कुमार सोनी (38 वर्ष) के रूप में हुई है। वह थाना कोतवाली भिन्गा के ग्राम पटना खरगौरा के निवासी थे और किराना व्यापारी थे। घायल व्यक्ति रमेश तिवारी (52 वर्ष) हैं, जो दिनेश के गांव के ही रहने वाले हैं। दोनों बाइक से मनकापुर जनपद गोंडा स्थित अटल आवासीय विद्यालय अपनी बेटी को लेने जा रहे थे। थाना इकौना के ग्राम भोजपुर के पास विपरीत दिशा से आ रही पिकअप वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और फरार हो गई। आसपास के लोगों ने घायलों को सड़क किनारे पहुंचाया और डायल 112 तथा एंबुलेंस को सूचना दी। रमेश तिवारी को एंबुलेंस से सीएचसी इकौना भेजा गया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति देखते हुए ट्रामा सेंटर बहराइच रेफर कर दिया है। उनकी हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक अखिलेश पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दिनेश कुमार सोनी के शव को कब्जे में लिया। परिजनों को सूचना देकर बुलाया गया और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिन्गा भेज दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश पांडे ने बताया कि तहरीर मिलने पर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन की तलाश कर कार्रवाई की जाएगी

श्रावस्ती विधायक ने धार्मिक स्थलों पर लगवायी हाईमास्ट लाइट

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। विकास क्षेत्र जमुनहा में श्रावस्ती विधायक पंडित रामफेरन पांडेय ने अंधकार में डूबे धार्मिक स्थलों व मंदिरों पर हाईमास्ट लाइटों को लगवाकर जगमग रोशनी से मंदिरों पर हाईमास्ट साधू - संतों सहित जी के इस पहल पर झलक रही है। भाजपा यादव ने बताया कि बूथ सदस्यों की मांग को जगमगाहट से हरदत्त नगर गिरन्ट व चौराहे पर, प्रकाश मय कर दिया है। लाइटें लगने से क्षेत्र में क्षेत्रवासियों में विधायक लोग में काफी खुशी मंडल अध्यक्ष गिरंट मंटू भाजपा कार्यकर्ताओं और पर विधायक जी ने मंदिरों रोशन कर दिया है। जिसमें धन्नीपुरवा बुध बाजार अचरौराशाहपुर भटपुरवा लक्ष्मनपुर, भवानिया पुरवा इमलिया गांव, इमलिया करनपुर पुर, तिवारी गांव, ललक गांव, चंदन कोटिया, देवरनिया, बरगदही रामपुर बस्ती, सिटकहना, टेंपरी, कुट्टी, दददौरा, हटठूगांव, झिरझिरा बधनी, बधनी छोटी, क्षचौरी कोटिया, हरबंशपुर, जब्दी कमला, दोदीगांव, दोदीपुरवा, मनवरिया दीवान भेसरीनहर गोपालासराय, असनी, महादेवा सलारपुर, चमारनपुरवा, नदईडीह ओदाही, तेंदुआ सरकाबरांव, महरूमुर्तिहा, जमुनहीबृजवासिनपुरवा बदला बैजनाथपुर, महिपत पुरवा, रानी सीर चिरैया, बेगमपुर, बहोरवा बाबा जंगल दास कुट्टी, चौगोई आदि सहित अन्य स्थानों पर हाईमास्ट लाइटों को लगवाकर अंधकार मुक्त कर दिया है।

श्री शाकंभरी देवी सेवा संघ शामली द्वारा 127 वॉ विशाल भंडारा श्री घूघेश्वर शिव मंदिर बलवा पर आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/बलवा शमली श्री शाकंभरी देवी सेवा संघ शमली द्वारा 127 व विशाल भंडारे का आयोजन श्री घूघेश्वर शिव मंदिर बलवा मंदिर में आयोजन किया गया जहां पर मां शाकुंभरी देवी मंदिर का भवन निर्माण कार्य चल रहा है श्री शाकंभरी देवी सेवा संघ संस्था के अध्यक्ष सुरेंद्र बंसल ने बताया कि मां शाकुंभरी देवी भवन का निर्माण पिछले 1 वर्षों से चल रहा है और आगे इस भवन का निर्माण कार्य तकरीबन 6 माह में पूर्ण हो जाएगा जहां पर मां शाकुंभरी देवी साक्षात विराजमान होगी घूघेश्वर शिव मंदिर प्रांगण में आज मां शाकुंभरी देवी एक विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें मुख्य यजमान अखिल तायल 502 बीड़ी वाले जहां पर श्रद्धालुओं के लिए हलवा पूरी सब्जी चावल छोले का प्रसाद भी बनाया गया और बताया कि श्री शाकंभरी सेवा संघ द्वारा हर माह में शुक्ल पक्ष की चौदस पर एक डीलक्स बस दोपहर 12ः05 पर एचडीएफसी बैंक के सामने से मां शाकुंभरी देवी दर्शन के लिए जाती है और सुरेंद्र बंसल ने यह भी कहा कि माता रानी की असीम की कृपा है और बाबा बंसी वाले की असीम कृपा से चल रहा है इस अवसर पर अध्यक्ष सुरेंद्र बंसल सचिव राकेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष भोरी लाल संगल सररक्षक संजय धीमान राकेश गर्ग सचिन मित्तल संजय धीमान नरेंद्र धीमान अशोक शशि लोक संदीप जगदीश देवेंद्र राकेश सक्षम संगल संदीप संजय ईरान गिरधारी लाल श्रीमती बृजबाला श्रीमती नीलम बंसल पत्रकार राकेश गुप्ता रोहित बंसल रवि कुमार में अन्य श्रद्धालु भक्तजन भंडारे में शामिल हुए

प्रयागराज गंगोत्री नगर वासियो के जन् जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहा बिजली विभाग व नगर निगम

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रयागराज/ प्रयागराज नैनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंगोत्री नगर मे मानक विहीन टेलीफोन के खंभे पर दिए गए बिजली जिसमें आए दिन खाबो आया है और आज दिनांक 3 वीडियो सामने आया है जिसमें है गंगोत्री नगर निवासी राम मूर्ति गुजर रही थी जिसमें खम्भे में पड़े होने की वजह से बिजली ने से चिपक के तड़प तड़प कर मर गई कई बार अधिकारियों को इस प्रकरण के बारे में सूचित किया गया किंतु उनको इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा आए दिन लो वोल्टेज का भी सामना करना पड़ता है बिजली विभाग वाले जहां अवैध वसूली करना होता है वहां तत्काल पहुंचते हैं घटना स्थल का उनको कोई प्रभाव नहीं पड़ता कई बार मामला मीडिया मे प्रसारण भी किया जा चुका है अत: गंगोत्री नगर वासियो की शासन प्रशासन से यह गुहार है की जल्द ही मामले को संज्ञान में लिया जाए एवं बिजली के पोल लगाकर बंज् केबल की सप्लाई की जाए सम्पूर्ण गंगोत्री नगर वासियो की समस्या का समाधान किया जाए

बिजली कनेक्शन पर 25 घरों की में करंट उतरने का मामला सामने अगस्त 2025 को एक घटना का रामसंपूर्ण घटना सीसी टीवी में कैद मिश्रा जी की गाय खंभे के पास से करंट उतरा हुआ था जमीन पर पानी गाय को खींच लिया ओर वो खंभे

शामली में लाइंस क्लब शामली सिनर्जी के अध्यक्ष बने डॉक्टर अजय वर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली में लायंस क्लब शामली सिनर्जी के अध्यक्ष बने डॉक्टर अजय वर्मा उन्होंने एवं उनकी टीम ने शपथ ली। लायंस क्लब शामली सिनर्जी का अधिष्ठापन समारोह का आयोजन अनंतारा वेंकट हॉल, दिल्ली रोड पर आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वज वंदन और माल्यार्पण से हुई। पूर्व अध्यक्ष लॉयन भारत संगल ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष पद का दायित्व डॉ. अजय वर्मा को सौंपा। मुख्य अतिथि लॉयन डॉ. विनय सिसोदिया रहे। अधिष्ठापन अधिकारी आदित्य गुप्ता VDG -1, अरविंद संगल PDG चेयरमेन NPPS गई, ने 2025 26 के अध्यक्ष लायन डॉ. अजय वर्मा लॉयन सचिव रुचिर संगल लॉयन कोषाध्यक्ष निशांत गर्ग आदि कार्यकारिणी ने शपथ ली। अध्यक्ष डॉक्टर अजय वर्मा ने पूर्ण रूप से कार्यक्रम में सभी से कहां की जो जिम्मेदारी मुझे सौपी गई है। उसका मैं आप के सहयोग से निभाने का प्रयास करूंगा। मेडिकल क्षेत्र, जरूरतमंद को भंडारा, आदि क्षेत्र में कार्य करूंगा। जिससे समाज को लाभ मिल सके। नए सदस्यों ने भी शपथ ली ,लायन सिद्धार्थ गर्ग लायन अमन शर्मा लायन पारस जैन लायन जॉय गर्ग ,लायन प्रियांक गोयल ,पी.आर.ओ- लायन तुषार धवन,लायन मोहित कम्बोज ,लायन शिवम विश्वकर्मा, लायन अनंत गुप्ता,लायन ऋषभ गोयल, लायन पुनीत जैन,लायन शिवम अरोड़ा ,लायन अमन शर्मा, लायन वैभव गुप्ता आदि कार्यक्रम का संचालन लॉयन संजय संगल और लॉयन सिद्धार्थ गर्ग ने किया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद महान के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश गर्ग एडवोकेट, सचिव विकास शर्मा एडवोकेट, वित्त सचिव विजय गुप्ता, भारत विकास परिषद मानव के संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र गोयल, अध्यक्ष डॉ अजय चौधरी, भारत विकास परिषद मिलाप शामली अध्यक्ष श्याम कुच्छल, वित्त सचिव आकाश वर्मा, श्याम लाल एडवोकेट, सुनील अरोड़ा, डॉक्टर अर्जुन वर्मा, डॉ राजकुमार वर्मा, डॉक्टर संजय वर्मा, मीनू संगल प्रबंधक सेंट आरसी कान्वेंट स्कूल शामली, अरिहंत जैन, मनीष भटनागर, वैभव संगल, आदि मौजूद रहे।

विद्युत मोटर से लगा करंट 13 वर्षीय किशोर की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जनपद के इकौना क्षेत्र में एक दुखद घटना में 13 वर्षीय किशोर की विद्युत करंट लगने से मौत हो गई। थाना इकौना के ग्राम दीननामगढ़ जिलेदार पुरवा निवासी जगजीवन राम उर्फ त्रिवेनी का पुत्र अमित कुमार यादव उर्फ भगवान घर के अंदर खेल रहा था। घटना उस समय हुई जब किशोर विद्युत मोटर के पास खेल रहा था। मोटर चलते समय वह पानी में फिसलकर गिर गया और करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुछ देर बाद जब किशोर की मां घर के अंदर पहुंची, तो उसने अपने बेटे को मोटर के पास पड़ा देखा। वह रोने-चिल्लाने लगी जिससे परिवार और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर किशोर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इकौना में भर्ती कराया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने किशोर को देखते ही मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना थाना इकौना पुलिस को लिखित रूप में दे दी गई है। इस दुखद घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए विद्युत उपकरणों के आसपास सुरक्षा उपायों का पालन करना आवश्यक है, विशेषकर बच्चों को इनसे दूर रखना चाहिए।

उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़ राहत कार्यों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध, जल शक्ति मंत्री ने किया हवाई सर्वेक्षण, राहत सामग्री वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़ जैसी आपदा की इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में पूरी तरह सक्रिय है और मा0 मुख्यमंत्री जी स्वयं हालात की निगरानी कर रहे हैं। सरकार के निर्देश पर वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों को लगातार प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा रहा है, ताकि पीड़ितों को त्वरित राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसी क्रम में प्रदेश के मा0 जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और ज़मीनी स्थिति का जायज़ा लिया। मा0 मंत्री जी ने सबसे पहले कालपी जालौन और बाढ़ग्रस्त तहसीलों के क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया, जिसके पश्चात उन्होंने रामपुरा विकासखंड के ग्राम भिटौरा और कंजौसा में पहुंचकर 180 बाढ़ पीड़ितों को सरकारी राहत किटों का वितरण किया। इन राहत किटों में दैनिक जीवन की आवश्यक वस्तुएं – चावल, आटा, दाल, आलू, तेल, नमक, मसाले, बिस्कुट, लाई, साबुन, सैनिटरी पैड, कपड़ा, बाल्टी, तिरपाल आदि – उपलब्ध कराई गईं, जिससे बाढ़ से प्रभावित परिवारों को तत्काल सहारा मिल सके। मा0 जल शक्ति मंत्री जी ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बुंदेलखंड में औसत से अधिक वर्षा होने के कारण यमुना, पहूज और सिंध नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा, जिससे अनेक गांवों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और अगले दो दिनों में अधिकांश क्षेत्रों से पानी उतरने की संभावना है। प्रशासनिक टीमें गांव-गांव जाकर स्थिति का आकलन कर रही हैं और जरूरतमंदों को समय पर सहायता दी जा रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, एमएलसी प्रतिनिधि आर.पी. निरंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

थाना कौंधियारा पुलिस टीम द्वारा 02 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रयागराज/ थाना कौंधियारा पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-03.08.2025 को माननीय न्यायालय ए0एस0जे0 कक्ष सं0-15 इलाहाबाद द्वारा निर्गत वारण्ट एसटी नं0-366/2018 धारा-323/325/504 भादवि0 व 3(2)5(क) एससी/एसटी एक्ट थाना कौंधियारा कमि0 प्रयागराज से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त सूरज यादव पुत्र बल्ले यादव निवासी ग्राम जारी थाना कौंधियारा जनपद प्रयागराज को ग्राम जारी थाना क्षेत्र कौंधियारा तथा माननीय न्यायालय एडीजे कक्ष संख्या-02 इलाहाबाद द्वारा निर्गत वारण्ट एसटी नं0-100883/2013 धारा-41/411/413/467/468 भादवि0 थाना जार्जटाउन कमि0 प्रयागराज से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त कल्लू उर्फ शंकरलाल पुत्र ननकू सोनकर निवासी ग्राम भमोखर थाना कौंधियारा जनपद प्रयागराज को ग्राम भमोखर थाना क्षेत्र कौंधियारा से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

टीकाकरण अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झिंझाना पर आज नवीन कोल्ड चैन का उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ झिझाना शामली जनपद शामली को राज्य स्तर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के क्रम में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झिंझाना पर आज नवीन कोल्ड चेन का उद्घाटन आज डा0 अनिल कुमार मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं डा0 करन चौधरी जिला प्रतिरक्षण अधिकारी के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उक्त कोल्ड चेन के माध्यम से झिंझाना क्षेत्र में आने वाले समस्त सब सैन्टरो पर नियमित टीकाकरण के अन्तर्गत गर्भवती महिलाओं एवं 0 से 16 साल के समस्त बच्चों के होने वाले टीकाकरण हेतु वैक्सीन वितरित की जायेगी। उक्त कोल्ड चेन के उद्घाटन के समय डा0 तरूण चौधरी, चिकित्सा अधीक्षक सामु0स्वा0के0 ऊन, डा0 शशीकान्त चिकित्सा अधीक्षक, सामु0स्वा0के0 झिंझाना, श्री देवेन्द्र कुमार फार्मासिस्ट, श्री परवेज तालिब, वी0सी0सी0एम0, श्री मनसूर अली यूविन कोर्डिनेटर एवं श्री अमित कुमार स्टाफ नर्स व अन्य के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों ने छात्रों को स्तनपान की दी जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज गब्बापुर सिरसिया में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसिया अधीक्षक डॉ प्रवीन कुमार और यूनिसेफ एम्स के अनुराग सिंह (ए.पी.सी.) ने विशेष भूमिका निभाई। अधीक्षक डॉ प्रवीन कुमार ने छात्रों को स्तनपान के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि स्तनपान से मां और बच्चे दोनों को कई लाभ मिलते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी समझाया कि समुदाय में स्तनपान के प्रति जागरूकता कैसे फैलाई जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. रमेश कुमार ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। उनके समर्थन से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी को स्तनपान के महत्व से अवगत कराया गया।ई की जाएगी

गांव सामी में ट्रांसफार्मर फुक जाने से गांव वाले परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) तहसील कोंच के ग्राम सामी में तीन दिनों से गांव वाले बिजली की सप्लाई से बुरी तरह परेशान है मिली जानकारी में बताया गया है कि इस भीषण उमस भरी गर्मी में बीते तीन दिनों से गांव में बिजली की नहीं आ रही है जिसका मुख्य कारण गांव में रखे बिजली का ट्रांसफार्मर फूंक गया है इस ट्रांसफार्मर के फूंक जाने से गांव के लोग बुरी तरह परेशान है सबसे ज्यादा परेशानी इस समय छोटे छोटे बच्चों को उठानी पड़ रही है इस बिजली के ट्रांसफार्मर के फूंक जाने से लोगो के मोबाइल फोन चार्ज तक नहीं हो रहे है और लोग मोबाइल चार्ज किए जाने को लेकर इधर उधर घूम रहे है बिजली की सप्लाई न होने से किसानों ओर छात्रों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है गांव के लोगों ने इस समस्या को एसडीओ के संज्ञान में लेकर अवगत करा दिया है

This disease which spread panic in Britain and America has now reached India as well, 11 cases reported in Manipur

Data from the World Health Organization (WHO) and UNICEF shows that cases of measles are increasing rapidly in European countries. Now cases of measles are increasing in India as well. According to reports, an outbreak of measles is being seen in Manipur, where at least 11 people have been found to be its victims. Data from the World Health Organization (WHO) and UNICEF shows that cases of measles measles are increasing in India as seen in Manipur, where at least 11 data of the last one year, it is known once again across the world, whose the diseases that has been a cause of now. Data from the World Health time in the last 25 years, the highest Region. In the year 2024, 1.27 lakh which is double the number of cases region since 1997. Measles cases are reports, an outbreak of measles is people have been found to be its people showing similar symptoms in India in the last one-two decades, of experts. Measles cases reported in the 11 people who have been dose of the vaccine. Urging people in these areas has revealed a huge gap in vaccination, which is worrying. The district administration called a meeting to control the spread of infection and promote vaccination. Officials said, people's hesitation towards vaccination has contributed significantly to the current situation. There is a need to lay special emphasis on vaccination to protect all people from this disease. The cases are so low, then why is there concern? There is concern about measles in India because in recent months, many countries of the world have seen a terrible outbreak of this disease. According to recent reports, measles cases in the US had reached above 700 by the second week of April. Children are being seen to be the most affected by this infection, many patients have also needed to be admitted to hospitals. In view of the increasing danger, the US Center for Disease Control and Prevention (CDC) has deployed several teams to vaccinate people and control the pace of infection. This time the cases of measles in the US are more than double as compared to the year 2024. Lack of vaccination increased difficulties - Data released by the World Health Organization and UNICEF show that more than 3 crore children worldwide have not been fully vaccinated with MMR vaccine, while 1.43 crore children have not received a single dose of the vaccine. Measles, Mumps and Rubella (MMR) vaccination has been considered the most effective for the prevention of measles. Apart from America, the outbreak of this disease is also being seen in Britain. In 2017, the World Health Organization declared Britain measles free, but cases of this disease have started increasing rapidly there again. The figures are frightening. India was one of the worst affected countries by measles till a few decades ago, although the risks of this disease were significantly reduced in the past years by promoting vaccination. According to the data, between 2017 and 2021, measles cases in India declined by 62%, during which the number of cases per million population decreased from 10.4 to 4. However, during the Corona epidemic, the national vaccination campaign was also affected, in which a large number of children missed the measles vaccine. Therefore, increasing cases of measles in children are being reported from many parts of the country in the recent past. A team of experts has alerted about this.

जनपद में 13 से 15 अगस्त 2025 के मध्य सभी शासकीय भवनों शैक्षणिक संस्थानों, होटलों, कार्यालयों, बॉधों, पुलों आदि पर ध्वजारोहण समारोह।

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली भारत सरकार ने आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 2022 में हर घर तिरंगा (HGT) अभियान शुरू किया था। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और तिरंगे के साथ व्यक्तिगत और भावनात्मक सम्बन्ध बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। पिछले कुछ वर्षों में, यह राष्ट्रीय अस्मिता, देशभक्ति और गौरव के जन-भागीदारी आंदोलन के रूप में एक सफल अभियान बन चुका है। इस हर घर तिरंगा (HGT) अभियान को वर्ष 2022, 2023 और 2024 के दौरान, 15 अगस्त को पूरे देश में घरों, कार्यालयों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर प्रमुखता से तिरंगा फहराकर, सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया। तिरंगे के साथ सेल्फी, प्रभात फेरी, तिरंगा रैलियाँ (बाइक और साइकिल रैलियों सहित), तिरंगा प्रदर्शनियाँ, और अन्य जमीनी स्तर की जन- भागीदारी जैसी गतिविधियों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह% को देशभक्ति से भरपूर और देश भर में व्यापक रूप से मनाया जाने वाला उत्सव बना दिया है। यह अभियान जनता के लिए उन स्वतन्त्रता सेनानियों और सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक विशेष अवसर भी है, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा और तिरंगे के सम्मान में अपने प्राणों की आहुति दी है।इसी भावना को जारी रखते हुए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार (राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति द्वारा 24 जुलाई, 2025 को अनुमोदित) के सर्कुलर के अनुसार क्रियान्वित किए जाने हेतु पूरे देश में दिनांक 02 अगस्त से 15 अगस्त 2025 की अवधि में तीन चरणों में %हर घर तिरंगा अभियान 2025% आयोजित करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में चरणबद्ध तरीके से जनपद में कार्यक्रम सुनिश्चित सुनिश्चित किए जाएंगे जिसके लिए प्रथम चरण (दिनांक 02-08 अगस्त 2025)- स्कूलों की दीवारों और बोर्डो को तिरंगा से प्रेरित कला से सजाना। संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई प्रदर्शनियों (वेबसाइट www.harghartiranga.com से डाउनलोड कर उपलब्ध) का प्रदर्शन मुख्य कार्यक्रमों के दौरान एवं शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों आदि चिन्हित स्थानों पर किया जाना। स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों आदि पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन।तिरंगा राखी बनाने की कार्यशालाएँ और प्रतियोगिताएँ आयोजित करना तथा सैनिकों और पुलिसकर्मियों को %आभार पत्र% लिखकर %डाक विभाग% के समन्वय से राखियाँ भेजना।सार्वजनिक स्थानों/बाजारों को तिरंग रंगों को प्रदर्शित करने के लिए तिरंगे धागों युक्त तिरंगा बुनाई और धागे की गतिविधि का आयोजन करना। द्वितीय चरण (दिनांक 09 से 12 अगस्त 2025)- द्वितीय चरण में तिरंगा महोत्सव% के रूप में एक बड़ा आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक ही दिन वृहद %तिरंगा मेला% और %भव्य तिरंगा म्यूज़िकल परी कॉसर्ट आयोजित किया जाना।,प्रदेश स्तरीय तिरंगा महोत्सव का आयोजन भी होगा। तिरंगा महोत्सव आयोजित किए जाने वाले प्रमुख स्थल पर %तिरंगा मेला% का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रदेश सरकार के %ग्रामीण विकास विभाग के %स्वयं सहायता समूह% द्वारा निर्मित उत्पाद तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के सहयोग से निर्मित उत्पादों स्थानीय उत्पादों (ODOP), तिरंगा रंग की थीम वाली वस्तुओं (खाद्य सामग्री / परिधान /वस्त्र / श्रृंगार सामग्री आदि) की बिक्री पर केन्द्रित तिरंगा मेला (सरस मेले के समान) का आयोजन किया जाना।साथ सुविधा प्रदान करना। वीआईपी यत्नर्यक्रम के दिन, व्यापक जनभागीदारी के साथ, प्रसिद्ध और स्थानीय कलाकारों द्वारा देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भव्य तिरंगा संगीत कार्यक्रम %का आयोजन किया जाना। प्रदेश के गृह विभाग पुलिसकर्मियों, अर्धसैनिकवलों, एन0सी0 सी0. एन0एस0एस0, सिवल डिफैन्स, होमगाड्र्स एवं खेल विभाग आदि के सहयोग से %तिरंगा बाइक रैली और/या तिरंगा साइकिल रेली का आयोजन किया जाना।बृहद तिरंगे कपडे के साथ तिरंगा रैलियों/ यात्राओं का आयोजन किया जाना। ये आयोजन सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों ब्लॉकों और पंचायतों में आयोजित किए जाएंगे जिनमें स्कूली बच्चों युवाओं और समाज के सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो। इस हेतु रिकॉर्ड बनाने के प्रयास किए जाएं। तिरंगा और उससे सम्बन्धित वस्तुओं आदि की बिक्री को व्यापक रूप से प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय बाज़ारों में सौंदर्यपरख तिरंगा प्रकाश और सजावट किया जाना। प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों, पी0डी0एस0 दुकानों, खादी भंडारों और स्थानीय बाजार के आदि के माध्यम से तिरंगा की बिक्री और वितरण का प्रबंधन किया जाना। तृतीय चरण दिनांक 13 से 15 अगस्त 2025 के मध्य सभी शासकीय भवनों शैक्षणिक संस्थानों, होटलों, कार्यालयों, बॉधों, पुलों आदि पर ध्वजारोहण समारोह और तिरंगा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नागरिकगण को तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे वेबसाइट www.harghartiranga.com पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उक्त के दृष्टिगत जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान ने उपरोक्त निर्देशानुसार चरणबद्ध तरीके से व्यापक जनसहभागिता से %हर घर तिरंगा% कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के संबंध में सभी संबंधित को निर्देशित किया गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़ राहत कार्यों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध, जल शक्ति मंत्री ने किया हवाई सर्वेक्षण, राहत सामग्री वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़ जैसी आपदा की इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में पूरी तरह सक्रिय है और मा0 मुख्यमंत्री जी स्वयं हालात की निगरानी कर रहे हैं। सरकार के निर्देश पर वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों को लगातार प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा रहा है, ताकि पीड़ितों को त्वरित राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसी क्रम में प्रदेश के मा0 जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और ज़मीनी स्थिति का जायज़ा लिया। मा0 मंत्री जी ने सबसे पहले जालौन और कालपी तहसीलों के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया, जिसके पश्चात उन्होंने रामपुरा विकासखंड के ग्राम भिटौरा और कंजौसा में पहुंचकर 180 बाढ़ पीड़ितों को सरकारी राहत किटों का वितरण किया। इन राहत किटों में दैनिक जीवन की आवश्यक वस्तुएं – चावल, आटा, दाल, आलू, तेल, नमक, मसाले, बिस्कुट, लाई, साबुन, सैनिटरी पैड, कपड़ा, बाल्टी, तिरपाल आदि – उपलब्ध कराई गईं, जिससे बाढ़ से प्रभावित परिवारों को तत्काल सहारा मिल सके। मा0 जल शक्ति मंत्री जी ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बुंदेलखंड में औसत से अधिक वर्षा होने के कारण यमुना, पहूज और सिंध नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा, जिससे अनेक गांवों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और अगले दो दिनों में अधिकांश क्षेत्रों से पानी उतरने की संभावना है। सरकार द्वारा पहले से ही बाढ़ की संभावनाओं को देखते हुए समुचित तैयारियाँ की गई थीं। प्रभावित गांवों में राहत शिविर, विद्यालय और पंचायत भवनों को शरणस्थलों के रूप में चिह्नित किया गया है, जहां भोजन, रहने और चिकित्सा की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। बीमारियों की आशंका को देखते हुए चिकित्सकों की टीमें सतत निगरानी में लगी हुई हैं।पशुधन की सुरक्षा के लिए चारा, टीकाकरण और चिकित्सकीय सेवाएं सुलभ कराई गई हैं। शहरी क्षेत्रों में जलभराव से निपटने के लिए पंपिंग सेटों के माध्यम से जलनिकासी का कार्य तेज़ी से चल रहा है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार की नीति ‘‘कोई भी प्रभावित परिवार सहायता से वंचित न रहे’’ के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास और मुआवज़े की कार्यवाही भी प्रारंभ की जा चुकी है। जिन परिवारों को पहले से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध हैं लेकिन वे पैतृक घरों में रहते थे और इस आपदा से प्रभावित हुए हैं, उनकी भी राहत के लिए विशेष योजना बनाई जा रही है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि प्रशासन लगातार राहत कार्यों में जुटा हुआ है। जिन क्षेत्रों में सड़क संपर्क नहीं है, वहां नावों के माध्यम से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। प्रशासनिक टीमें गांव-गांव जाकर स्थिति का आकलन कर रही हैं और जरूरतमंदों को समय पर सहायता दी जा रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, एमएलसी प्रतिनिधि आर.पी. निरंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

Amazing pair of sisters, have fun and party together; bonding is like friends

There are many such pairs of sisters in Bollywood, who are not only famous for their brilliant acting and style, but are also known for their deep friendship and having fun together. These sisters share such a good bond with each other that looking at their pair, it seems that they are more friends than sisters. All these sisters are not only doing wonders in their professional life, but are also each other's strength in their personal life. Their friendship and loving relationship not only inspires the fans, but also shows how special sisters are. Looking at their pairs, it seems that they are also each other's best friends, who stay together in every happiness and sorrow. Kriti Sanon and Nupur Sanon- Kriti Sanon is a well-known Bollywood actress, who has made her mark with films like 'Heropanti', 'Bareilly Ki Barfi', and 'Stree 2'. Her younger sister Nupur Sanon is also slowly entering the industry. Nupur has worked in the film 'Tiger Nageswara Rao' and some music videos. The relationship between the two sisters is very special. They often share fun-filled pictures and videos with each other on social media. Recently, Kriti celebrated her 35th birthday (27 July 2025). During this, Nupur was seen having fun with her abroad. Both of them also shared great pictures of the birthday party on social media handles. Janhvi Kapoor and Khushi Kapoor- Janhvi Kapoor and Khushi Kapoor are the daughters of famous actress Sridevi and producer Boney Kapoor. Janhvi has made her mark with films like 'Dhadak', 'Mili', and 'Mr. Mahi', while Khushi made her debut with 'The Archies'. Both the sisters are stylish and talented as well as each other's best friends. They are often seen together at events, holidays, and parties. Shilpa Shetty and Shamita Shetty- The duo of Shilpa Shetty and Shamita Shetty is one of the most stylish and fit sisters in Bollywood. Shilpa is famous for films and series like 'Dhadkan', 'Baazigar', and 'Indian Police Force', while Shamita has worked in films like 'Mohabbatein' and 'Zeher'. Both the sisters are fitness freaks and often share pictures of yoga and workouts. Shilpa and Shamita share a very close relationship. They are seen together from festivals like Ganesh Chaturthi to family get-togethers and events. Bhumi Pednekar and Samiksha Pednekar- Bhumi Pednekar has proved her acting prowess with films like 'Dum Laga Ke Haisha', 'Shubh Mangal Savdhan', and 'Bhakshak'. Her younger sister Samiksha Pednekar is a famous digital content creator and influencer. Both the sisters are doing great in their different fields, but their bonding is worth watching. Both the sisters often travel together and also take inspiration from each other in terms of fashion. Kajol and Tanisha Mukherjee- Kajol and Tanisha Mukherjee are the daughters of veteran actress Tanuja. Kajol has made her special place in the industry with films like 'Dilwale Dulhania Le Jayenge', 'Kabhi Khushi Kabhie Gham', and 'Do Patti'. Tanisha has worked in films like 'Neel N Nikki' and 'Sarkar' and has also appeared in the reality show 'Bigg Boss'. Kajol and Tanisha have a very cute relationship. They are often seen together at festivals, parties, and family gatherings.

Sometimes as a secret agent, sometimes as a poor wife, Taapsee Pannu shines with these roles; know the names of the films

Bollywood actress Taapsee Pannu is celebrating her birthday today on Friday. On this special occasion, we will know about the actress's tremendous films. Taapsee Pannu, a well-known actress of the cinema world, is celebrating her 38th birthday on 01 August. The actress has done many great films in her career, in which she has made the audience crazy with her acting. Let us know about those films of the actress, which were liked a lot. Pink The film 'Pink' was released in the year 2016 under the direction of Aniruddha Roy. Taapsee Pannu played the role of Minal Arora in this film. The story of this film is based on three girls who are implicated in a false case. But she fights a legal battle for her rights and respect. Amitabh Bachchan is seen in the role of a lawyer in the film along with actress Taapsee Pannu. Thappad The film 'Thappad' was released in the year 2020 under the direction of Anubhav Sinha. The story of this film shows that a slap is enough to hurt a woman's self-esteem. It gives the message of not doing domestic violence. In the film, Taapsee Pannu's character fights a legal battle with her husband. Naam Shabana The film 'Naam Shabana' was released in the year 2017 under the direction of Vam Nair. It is an action-thriller film, in which Taapsee Pannu plays the character of Shabana. It is shown in the film that Shabana's boyfriend is murdered, then Shabana becomes a secret agent and takes revenge for the murder of her lover. Badla This film, released in 2019, stars Taapsee Pannu and Amitabh Bachchan in the lead roles. This film is directed by Sujoy Ghosh. The story of this film is based on murder mystery, in which tremendous suspense is seen. Haseen Dilruba Taapsee Pannu has given a brilliant performance in this film released in 2021. In the story of this film, the actress has played the role of a married woman, in which she falls in love with her husband's brother. After this, she along with her husband kills him. The story of this film attracted the audience.

Anurag Basu reveals, Ranbir Kapoor left this legendary singer's biopic for 'Ramayan'

Ranbir Kapoor will be seen in the film 'Ramayan'. He is excited about it. Interestingly, he decided to do this film by leaving the biopic of late legendary singer Kishore Kumar. Ranbir Kapoor is currently busy preparing for his upcoming much-awaited film 'Ramayan'. When he was offered this film, at the same time he also got an offer for the biopic of late singer Kishore Kumar. It was a challenge for him to choose one of the two films. However, Ranbir left Kishore Kumar's biopic and signed 'Ramayan'. This has been revealed recently by Anurag Basu. This decision was difficult for Ranbir - Director Anurag Basu recently revealed during an interview that Ranbir Kapoor chose 'Ramayan' instead of the singer's biopic. However, it was very difficult for him to take this decision. But, he made the right decision. Anurag Basu told BBC News that due to schedule conflict, Ranbir had to choose between both the projects i.e. 'Ramayan' and Kishore Kumar's biopic. He said, 'It was a difficult choice for Ranbir in life. Kishore Kumar's biopic or 'Ramayan'. It was very difficult for him. Finally he chose 'Ramayan' and I think it was the right decision'. Ranbir has worked in these films of Anurag Basu - Ranbir Kapoor and Anurag Basu have worked together many times before. These include films like 'Barfi' (2012) and 'Jagga Jasoos' (2017). However, both expressed their desire to work together again. But this time it could not happen due to Ranbir Kapoor's busy schedule. Anurag Basu further said, 'We keep trying to work together, but it is not happening'. When will 'Ramayana' be released? - When Ranbir Kapoor turned down Kishore Kumar's biopic, rumours also spread in the industry that Aamir Khan could play the role of Kishore Kumar. But Anurag Basu has not confirmed this. Let us tell you that Anurag Basu has been working on Kishore Kumar's biopic for the last ten years. Talking about 'Ramayana', Sai Pallavi will be seen playing the role of Mata Sita in this film. This film will be released in two parts. The first part will be released on Diwali 2026. The second part will be released on the occasion of Diwali in 2027.